दैनिक
बुद्ध का संदेश
हिन्दी समाचार पत्र
एक विश्वास....

सिद्धार्थनगर
शनिवार , 18 अप्रैल 2026
वर्ष: 13 अंक : 120 पृष्ठ: 8
आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ, कानपुर, कन्नौज, बरेली, सीतापुर, सोनभद्र, गोण्डा, बाराबंकी, बलरामपुर, श्रावस्ती, बहराइच, अम्बेडकरनगर, फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर, गोरखपुर, कुशीनगर, देवरिया, महराजगंज, रामपुर, रायबरेली, सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित ।

सम्पादक : राजेश शर्मा

दैनिक बुद्ध का संदेश 8795951917, 9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com

उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

लखीमपुर का अनिकेत बना सफल उद्यमी, 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' से बदली तकदीर

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आत्मनिर्भरता और स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही योजनाएं आज युवाओं के सपनों को पंख देने का काम कर रही हैं। सरकार का लक्ष्य केवल रोजगार उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि युवाओं को रोजगार देने वाला बनाना है। योगी सरकार के इसी विजन को साकार करते हुए लखीमपुर खीरी के ग्राम पहाड़पुर के रहने वाले अनिकेत वर्मा सरकारी योजना के लाभ से सफल युवा उद्यमी बने हैं। अनिकेत वर्मा के उद्यमी बनने के सफर में सबसे बड़ी भूमिका 'मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' ने निभाई। इस योजना के तहत उन्हें दिसंबर 2025 में जिला उद्योग एवं उद्यमिता विकास केंद्र के माध्यम से 25 लाख रुपए का ऋण प्राप्त हुआ। इस आर्थिक सहायता ने उनके सपनों को नई उड़ान दी और उन्होंने अपने छोटे स्तर के काम को एक संगठित उद्योग में बदल दिया। उन्होंने अपनी यूनिट में 6 ऑटोमेटिक मशीनें स्थापित की। आज उनकी यूनिट हर महीने ऑर्डर के अनुसार वाशिंग पाउडर का उत्पादन कर रही है। उत्पादों को आधा किलो, 1 किलो और 3 किलो की पैकिंग में तैयार किया जाता है, जिससे बाजार की अलग–अलग जरूरतों को पूरा किया जा सके। वे कानपुर से कच्चा माल मंगवाते हैं, उनका वाशिंग पाउडर स्थानीय बाजार में अपनी पहचान बना रहा है। अनिकेत वर्मा केवल खुद आत्मनिर्भर नहीं बने, बल्कि उन्होंने 7 लोगों को रोजगार भी दिया है। प्रोडक्ट की लागत और अन्य खर्चों के बाद अनिकेत की शुद्ध मासिक आमदनी 50 से 60 हजार रुपये है। मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना' का उद्देश्य प्रदेश के युवाओ को उद्यमशीलता के लिए प्रोत्साहित करने और अन्य के लिए रोजगार का अवसर प्रदान करना है। इस योजना के अंतर्गत राज्य सरकार युवाओं को वित्तीय सहायता उपलब्ध करा रही है, ताकि वे आत्मनिर्भर बन सकें और अपने व्यवसाय का सफलतापूर्वक संचालन कर सकें। योजना के तहत विनिर्माण क्षेत्र में नए उद्योग लगाने के लिए अधिकतम 25 लाख रुपए तथा सेवा क्षेत्र आधारित व्यवसाय शुरू करने के लिए अधिकतम 10 लाख रुपए तक का ऋण दिया जाता है। यह ऋण रियायती ब्याज दरों पर उपलब्ध कराया जाता है जो बाज़ार दर से कम है। इस धनराशि का उपयोग प्लांट एवं मशीनरी, कच्चे माल के क्रय, कार्यशील पूंजी और अन्य सम्बंधित खर्चों के लिए किया जा सकता है। इच्छुक व्यक्ति जिला उद्योग एवं उद्यमिता विकास केंद्र के माध्यम से पूर्ण जानकारी लेकर आवेदन कर सकता है।

मिलिए सोनभद्र की 'लखपति दीदी' विनीता से: दुग्ध उत्पादन से 2 साल में कमाए 67 लाख

सोनभद्र। कभी आजीविका के लिए संघर्ष करने वाली विनीता आज ग्रामीण महिला सशक्तीकरण की मिसाल बन चुकी हैं। योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चल रही योजनाओं का लाभ उठाकर उन्होंने दुग्ध उत्पादन को अपनी आजीविका का मजबूत आधार बनाया और महज दो वर्षों में 67 लाख रुपये की आय अर्जित कर ली। स्नातक तक शिक्षित विनीता 14 सदस्यीय संयुक्त परिवार की जिम्मेदारी निभा रही थीं। पति अविनाश के साथ मिलकर वे पहले 10–12 पशुओं के जरिए दुग्ध उत्पादन करती थीं, लेकिन निजी डेयरियों पर निर्भरता के कारण उन्हें न तो उचित मूल्य मिलता था और न ही समय पर भुगतान। लगातार मेहनत के बावजूद आय सीमित बनी हुई थी। जीवन में बड़ा बदलाव तब आया, जब उन्होंने काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड से जुड़ने का निर्णय लिया। यहां उन्हें उचित मूल्य, समय पर भुगतान और आधुनिक प्रशिक्षण की सुविधा मिली। इसके बाद विनीता ने वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाया और धीरे–धीरे अपने पशुओं की संख्या बढ़ाकर 40 से अधिक कर दी। आज विनीता 'लखपति दीदी' के रूप में जानी जाती हैं। उनकी सफलता न केवल उनके परिवार के जीवन स्तर को बेहतर बना रही है, बल्कि पूरे गांव और क्षेत्र की महिलाओं के लिए प्रेरणा बन चुकी है। वे अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा दिला रही हैं और परिवार को आर्थिक रूप से मजबूत बना रही हैं। काशी मिल्क प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड पूर्वांचल के सात जिलों में 46 हजार से अधिक महिलाओं को रोजगार और आत्मनिर्भरता से जोड़ रही है। विनीता का कहना है कि इस संस्था और स्वयं सहायता समूह ने उन्हें सिर्फ आर्थिक मजबूती ही नहीं दी, बल्कि जीवन को देखने का नया नजरिया भी दिया। विनीता की यह कहानी इस बात का प्रमाण है कि सही मार्गदर्शन, सरकारी योजनाओं का सहयोग और मेहनत का संगम हो तो ग्रामीण महिलाएं भी सफलता की नई ऊंचाइयों को छू सकती हैं और समाज में बदलाव की अग्रदूत बन सकती हैं।

संसद में राहुल गांधी के भाषण पर बवाल, स्पीकर ने कार्यवाही से हटाया बयान

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण पर जोरदार हंगामा देखने को मिला। अपने संबोधन के दौरान राहुल गांधी ने एक निजी अनुभव से जुड़ी कहानी सुनाई और सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोला। राहुल गांधी ने कहा कि यह बिल महिलाओं के सशक्तिकरण से अधिक देश के चुनावी नक्शे को बदलने की कोशिश है। उन्होंने आरोप लगाया कि परिसीमन के जरिए ओबीसी, दलित और मुस्लिम समुदायों के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को कमजोर किया जा सकता है। उन्होंने यह भी कहा कि विपक्ष मिलकर ऐसे किसी भी प्रयास का विरोध करेगा। भाषण के दौरान सत्ता पक्ष के सांसदों ने कड़ा विरोध जताया, जिसके चलते सदन में भारी हंगामा हुआ। इस पर लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने हस्तक्षेप करते हुए राहुल गांधी को नसीहत दी कि वे संसद की मर्यादा का पालन करें और सीधे मुद्दे पर बात रखें। बाद में उनका कुछ बयान कार्यवाही से हटा दिया गया। इस दौरान केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी राहुल गांधी के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के लिए इस्तेमाल की गई भाषा अनुचित है और इसके लिए उन्हें माफी मांगनी चाहिए। वहीं संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने भी नेता प्रतिपक्ष की भाषा पर सवाल उठाए। राहुल गांधी ने अपने भाषण में बचपन का एक किस्सा सुनाते हुए डर और सत्य के विषय पर बात की और इसे राजनीतिक संदर्भ से जोड़ते हुए सरकार पर निशाना साधा। हालांकि, स्पीकर ने इसे विषय से भटकाव मानते हुए आपत्ति जताई। गौरतलब है कि महिला आरक्षण समेत अन्य महत्वपूर्ण विधेयकों पर चर्चा जारी है, जिसका जवाब गृहमंत्री अमित शाह देंगे। इसके बाद सदन में मतदान कराया जाएगा। यदि लोकसभा में सभी 540 सदस्य उपस्थित रहते हैं, तो किसी भी बिल को पास कराने के लिए कम से कम 360 सांसदों का समर्थन आवश्यक होगा। वर्तमान में एनडीए के पास लगभग 293 सांसद हैं, ऐसे में उसे विधेयक पारित कराने के लिए अतिरिक्त समर्थन जुटाना पड़ेगा।

विधायक के बेटे की थार से 5 लोग घायल, बयान पर बढ़ा विवाद

शिवपुरी। मध्य प्रदेश के शिवपुरी जिले में एक तेज रफ्तार

कार से हुए हादसे ने विवाद खड़ा कर दिया है। आरोप है कि प्रीतम लोधी के बेटे दिनेश लोधी ने अपनी थार गाड़ी से तीन मजदूरों और दो महिलाओं को टक्कर मार दी, जिससे सभी पांच लोग घायल हो गए। घटना करैरा कस्बे की बताई जा रही है। जानकारी के मुताबिक, तीन मजदूरकृसंजय परिहार, आशीष परिहार और अंशुल परिहारकृएक बाइक पर सवार होकर काम पर जा रहे थे, तभी तेज रफ्तार थार ने उन्हें टक्कर मार दी। इसी दौरान सड़क पर पैदल जा रही दो महिलाएं भी हादसे की चपेट में आ गईं। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, हादसे के बाद जब घायलों और स्थानीय लोगों ने लापरवाही से गाड़ी चलाने को लेकर सवाल उठाए, तो दिनेश लोधी ने कहा कि "सायरन बजाया था, हटे क्यों नहीं।" इतना ही नहीं, मौके पर मौजूद लोगों को वीडियो बनाने से भी रोका गया। बताया जा रहा है कि दिनेश लोधी इन दिनों क्षेत्र में सक्रियता बढ़ाने के लिए करैरा में ही रह रहे हैं। घटना के समय वे जिम जाने के लिए निकले थे। इस मामले को लेकर स्थानीय स्तर पर नाराजगी देखी जा रही है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है और घायलों का इलाज जारी है। वहीं, घटना के बाद विधायक प्रीतम लोधी की ओर से भी सफाई सामने आने की चर्चा है, जिसमें उन्होंने पूरे मामले की जांच की बात कही है।

महिला आरक्षण बिल पर ललन सिंह का विपक्ष पर निशाना, बोले – 'लालू यादव जैसी गलती न करें'

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल समेत तीन संविधान संशोधन विधेयकों पर दूसरे दिन भी चर्चा जारी रही। इस दौरान जदयू सांसद राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह ने विपक्ष पर तीखा हमला बोला और चेतावनी दी कि वे "लालू यादव जैसी गलती" न दोहराएं। ललन सिंह ने कहा कि महिला आरक्षण का विरोध करने का राजनीतिक खामियाजा लालू प्रसाद यादव आज भी भुगत रहे हैं। उन्होंने कहा कि महिलाओं की 50 प्रतिशत आबादी के लिए लाया गया यह कानून जल्दबाजी में नहीं, बल्कि सोच–समझकर तैयार किया गया है। उन्होंने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि वह ऐसे सामाजिक सुधारों को लागू नहीं होने देना चाहती। ललन सिंह ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पहले ही चेतावनी दे चुके हैं कि इस बिल का विरोध करने वालों को लंबे समय तक इसका राजनीतिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। बिहार की राजनीति का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि नीतीश कुमार ने राज्य में विभिन्न पदों पर महिलाओं को आरक्षण दिया, लेकिन उस समय इसका विरोध किया गया। उन्होंने दावा किया कि उसी का परिणाम है कि आज बिहार की महिलाएं एनडीए के समर्थन में खड़ी हैं। महिला आरक्षण बिल पर जारी बहस के बीच ऐसे बयान राजनीतिक माहौल को और गरमा रहे हैं। अब सभी की नजरें इस बात पर टिकी हैं कि मतदान के समय कौन–सा पक्ष कितनी मजबूती से अपना समर्थन जुटा पाता है।

महिला आरक्षण बिल पर प्रियंका गांधी का हमला, अमित शाह पर कसा तंज

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर जारी चर्चा के दौरान कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने केंद्र सरकार और खासतौर पर गृहमंत्री अमित शाह पर तीखा हमला बोला। उन्होंने बिल के प्रारूप पर सवाल उठाते हुए कहा कि इसके पीछे "राजनीतिक मंशा" छिपी हुई है। प्रियंका गांधी ने कहा कि महिला अधिकारों की लड़ाई कोई नई नहीं है। उन्होंने बताया कि मोतीलाल नेहरू ने 1928 में मूल अधिकारों की जो रिपोर्ट दी थी, उसमें महिलाओं के अधिकारों की बात शामिल थी। इसके बाद 1931 में सरदार वल्लभभाई पटेल की अध्यक्षता में हुए कराची अधिवेशन में "वन वोट, वन सिटीजन, वन वैल्यू" का सिद्धांत अपनाया गया, जिससे महिलाओं को बराबरी का अधिकार मिला। उन्होंने कहा कि मौजूदा चर्चा सिर्फ महिला आरक्षण तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें परिसीमन और प्रतिनिधित्व जैसे गंभीर मुद्दे जुड़े हैं। प्रियंका ने आरोप लगाया कि बिल में 2029 तक आरक्षण लागू करने और सीटों की संख्या बढ़ाने की बात तो है, लेकिन नई जनगणना का स्पष्ट प्रावधान नहीं है, जो पहले के प्रस्ताव में था। कांग्रेस नेता ने कहा कि सतही तौर पर बिल सही लगता है, लेकिन इसकी गहराई में जाने पर "राजनीति की बू" आती है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस महिला आरक्षण का समर्थन करती है और इस मुद्दे पर पीछे नहीं हटेगी। इस दौरान उन्होंने अमित शाह पर तंज कसते हुए कहा, "शाह जी हंस रहे हैं, पूरी प्लानिंग तैयार है। अगर चाणक्य आज जिंदा होते तो वो भी चौंक जाते।" उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने चुनाव के समय अचानक सदन बुलाकर और बिल को एक दिन पहले सार्वजनिक कर विपक्ष को धर्मसंकट में डालने की कोशिश की है। प्रियंका गांधी के इस बयान के बाद सदन में राजनीतिक माहौल और गरमा गया है। महिला आरक्षण बिल को लेकर सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी बहस जारी है।

महिला आरक्षण बिल पर 'नंबर गेम' तेज, एनडीए के सामने चुनौती

नई दिल्ली। संसद में महिला आरक्षण बिल को लेकर चर्चा तेज है, लेकिन इसे पास कराना सरकार के लिए आसान नहीं दिख रहा। यह संविधान संशोधन से जुड़ा बिल है, इसलिए इसे पारित करने के लिए विशेष बहुमत जरूरी है। लोकसभा में बिल पास करने के लिए करीब 360 सांसदों के समर्थन की जरूरत होती है, जबकि एनडीए के पास लगभग 293 सांसद ही हैं। ऐसे में सरकार को अतिरिक्त सांसदों का समर्थन जुटाना पड़ेगा। इसी वजह से यह बिल अब 'नंबर गेम' बन गया है। विपक्ष की भूमिका अहम हो गई है और उसी पर बिल का भविष्य काफी हद तक निर्भर करेगा।

महिला आरक्षण बिल पर ओवैसी का विरोध, बोले- 'शहंशाह ने गरीबों की मोहब्बत का उड़ाया मजाक'

नई दिल्ली। लोकसभा में महिला आरक्षण बिल पर चर्चा के दौरान एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला और बिल का विरोध किया। बिल पेश किए जाने से पहले चर्चा के दौरान ओवैसी ने मशहूर शायर साहिर लुधियानवी का शेर पढ़ते हुए कहा, "शहंशाहों का गरीबों से कोई ताल्लुक नहीं, एक शहंशाह ने दौलत का सहारा लेकर हम गरीबों की मोहब्बत का मजाक उड़ाया।" उनके इस बयान ने सदन में राजनीतिक माहौल को और गरमा दिया। ओवैसी ने विशेष रूप से परिसीमन से जुड़े प्रावधानों पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे देश का संतुलन बिगड़ सकता है। उन्होंने आरोप लगाया कि "उत्तर बनेंगे शासक और दक्षिण रहेगा शासित," जो संघीय ढांचे के लिए खतरनाक है। उन्होंने कहा कि ये विधेयक देश के संघीय ढांचे को कमजोर कर सकते हैं और क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व पर असर डालेंगे। ओवैसी ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि वह इन विधेयकों का सख्ती से विरोध करते हैं। महिला आरक्षण बिल को लेकर संसद में जारी बहस के बीच ओवैसी के इस बयान ने राजनीतिक तापमान और बढ़ा दिया है, जहां सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिल रही है।

ग्राम चौपाल में सुनी गईं ग्रामीणों की समस्याएं, मौके पर समाधान के निर्देश

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी शिवशरणप्पा जीएन की अध्यक्षता में विकास खंड बर्डपुर के ग्राम पंचायत बर्डपुर नंबर–7, ग्राम रमवापुर स्थित प्राथमिक विद्यालय में "ग्राम चौपालकृगांव की समस्या, गांव में समाधान" कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत खंड विकास अधिकारी बर्डपुर द्वारा जिलाधिकारी का पुष्पगुच्छ देकर स्वागत करने के साथ हुई। चौपाल में जिलाधिकारी ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि शासन की मंशा है कि गांवों में ही चौपाल लगाकर समस्याओं का त्वरित समाधान कराया जाए और केंद्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाया जाए। उन्होंने सीमावर्ती क्षेत्रों में बेहतर नेटवर्क कनेक्टिविटी, सड़क जैसी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने पर जोर दिया। साथ ही किसानों से अपील की कि वे फार्मर रजिस्ट्री अवश्य कराएं, जिससे खाद, बीज व अन्य योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि किसानों की गेहूं खरीद सरकारी एमएसपी पर सुनिश्चित कराई जाए। जिलाधिकारी ने आयुष्मान कार्ड बनवाने, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना के तहत क्षतिपूर्ति दिलाने तथा किसान सम्मान निधि से जुड़ी समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने पेंशन योजनाओंकृवृद्धा, विधवा व दिव्यांगकृका लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने और राशन वितरण में पारदर्शिता बनाए रखने पर भी जोर दिया। भूमि विवाद, वरासत और पैमाइश से जुड़े मामलों के त्वरित निस्तारण के निर्देश देते हुए उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। साथ ही जन्म, आय, जाति व निवास प्रमाण पत्र निर्धारित समय में जारी करने के निर्देश भी दिए गए। महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों से जुड़ने की अपील करते हुए उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा आर्थिक सहायता और प्रशिक्षण की सुविधा दी जा रही है। चौपाल के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर योजनाओं की जानकारी भी दी गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने गर्भवती महिलाओं की गोदभराई और बच्चों का अन्नप्राशन भी कराया। कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रजत कुमार चौरसिया, उपजिलाधिकारी नौगढ़ कल्याण सिंह मौर्य, जिला विकास अधिकारी राजमणि वर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

चौपाल की औपचारिकता पूर्ण, निराश लौटे फरियादी

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार को बर्डपुर ब्लाक के बर्डपुर नंबर सात के रमवापुर टोले में चौपाल का आयोजन किया गया। जिले के सभी विभाग के अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे सभी ने औपचारिकता दिखाते हुए अपने विभागों की जानकारियां साझा किए। एक घंटे विलंब के कारण लोगों को गर्मी झेलनी पड़ी। जिला अधिकारी डा शिवशरणप्पा जीएन ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा सरकारी योजनाएं आप के द्वार है।नियम का पालन करते हुए अपनी उपस्थित दर्ज कराएं। जिले के सभी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि अपने अपने विभागों में जनता की समस्या का समय रहते निदान कराएं। नेपाल सीमा खुली होने के कारण कुछ अराजक तत्व शांति व्यवस्था को तोड़ना चाहेंगे।लेकिन आप सीमाई क्षेत्र के लोगों से अपील है कि कोई अराजक गतिविधि मिले तो उसकी सूचना प्रशासन को दें।जिससे उनके विचारों पर अंकुश लगाया जा सके। आंगनवाडी कार्यकत्रियां छोटे बच्चों के सेहत की जानकारी उपलब्ध करती रहे।टीकाकरण पर जोर दिया जाय। ग्रामीणों ने जिला अधिकारी को गांव की समस्या को लेकर शिकायती पत्र दिया।कुछ ने अपनी बेटी को मृत घोषित कर देने की बात कही। जन्म मृत्यु प्रमाण पत्र बनाने वाले हमारी जिंदा बेटी को ही मार दिया।मै दर दर भटक रही हूं, किसी ने रिकवरी गलत तरीके से लेने का आरोप लगाया।कुछ ने बिजली विभाग के कर्मचारियों पर ज्यादा बिल,और सुधार पर सेवा की बात कही।किसी ने गैस बुकिंग के एक हफ्ते बाद ओटीपी होने के बावजूद डीलेवरी दिखा दिया गया।लेकिन गैस सिलिंडर नहीं मिला। अंत्योदय कार्डधारकों के साथ अनदेखी का आरोप कोटेदार पर लगाई गई। सभी शिकायत पत्र का निस्तारण हेतु जिला अधिकारी ने संबंधित विभाग के अधिकारी को दे दिया है। वही गर्भधात्री को पौष्टिक आहार की टोकरी दी गयी। गर्मी से बेहाल लोगों के लिय कोई पानी की व्यवस्था तक नहीं रही जो ब्लाक के क्षेत्र ग्राम विकास अधिकारी वा अन्य की दुर्व्यवस्था देखने को मिली। अपनो के लिय समुचित व्यवस्था का ख्याल रखा गया। ग्रामीण गर्मी में तीन घंटे बैठे रहे,लेकिन उन्हें पीने के पानी तक की व्यवस्था नहीं रही। जो दिखावा मात्र साबित हुआ।

रोजगार सेवकों ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन, 25 अप्रैल तक हड़ताल का ऐलान

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी। ग्राम रोजगार सेवक पंचायत मित्र वेलफेयर एसोसिएशन, ब्लॉक इकाई बांसी के पदाधिकारियों और सदस्यों ने शुक्रवार को अपनी लंबित मांगों के समाधान को लेकर ज्ञापन सौंपा। बीडीओ की अनुपस्थिति में यह ज्ञापन एडीओ आईएसबी किरण को दिया गया। ब्लॉक अध्यक्ष राम प्रकाश मिश्र ने बताया कि संगठन की कई मांगें लंबे समय से लंबित हैं, जिन पर अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि प्रांतीय नेतृत्व के निर्देश पर रोजगार सेवक और मनरेगा कर्मी 16 अप्रैल से 25 अप्रैल तक कलमबंद हड़ताल पर रहेंगे। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में दिनेश कुमार, सुरेश कुमार, अनिल चौधरी, ममता त्रिपाठी, हरिशंकर वर्मा, राजेश कुमार श्रीवास्तव, रवि प्रकाश त्रिपाठी, सर्वेश कुमार गौतम, कन्हैया लाल, सरिता त्रिपाठी, मनोज कुमार और भगवान दास सहित कई सदस्य मौजूद रहे।

एफसीआई गोदाम से बाइक चोरी, पुलिस जांच में जुटी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जोगिया कोतवाली क्षेत्र में चोरी की घटना सामने आई है। हरैया निवासी अफसर पुत्र दिलबहार की बाइक गुरुवार शाम चोरी हो गई। जानकारी के अनुसार, अफसर अपनी बाइक से करौंदा मासिना स्थित एफसीआई गोदाम पहुंचे थे और वाहन को बाहर खड़ा कर अंदर चले गए। कुछ देर बाद लौटने पर उनकी बाइक मौके से गायब मिली। काफी तलाश के बाद भी बाइक का कोई पता नहीं चल सका। पीड़ित ने घटना की सूचना थाने में दी। इस संबंध में थाना प्रभारी अभय कुमार सिंह ने बताया कि तहरीर मिल गई है, मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और बाइक की तलाश की जा रही है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम पर कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता, विशेषज्ञों ने बताया ऐतिहासिक कदम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। नारी शक्ति वंदन अधिनियम लागू होने पर डॉ0 संध्या पाठक कास्मेटोलाजी/स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, प्रबंधक पाठक हास्पिटल सिद्धार्थनगर, डॉ0 सीमा मिश्रा असि0 प्रोफेसर(भूगोल विभाग) वीरेन्द्र मिथिलेश्वर महाविद्यालय, महदेईया (लोटन) एवं श्रीमती पुष्पावती मिश्रा एडवोकेट सिविल कोर्ट सिद्धार्थनगर की उपस्थिति में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रेस वार्ता की गई। डॉ0 संध्या पाठक कास्मेटोलाजी/स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ बताया कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। आज नारी शक्ति को जो कुछ भी मिल रहा है वो उसका हक था, जो कि रूका हुआ था। भारत देश की लम्बी लोकतांत्रिक यात्रा में ये निर्णय ऐतिहासिक है। हम इस अधिनियम का स्वागत करते हैं और हृदय की गहराईया से माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी का धन्यवाद करते हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित होने के साथ ही प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश ने महिला सशक्तीकरण के एक नए युग में प्रवेश किया। मोदी सरकार के इस ऐतिहासिक निर्णय ने राष्ट्र निर्माण में महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की। लोकसभा और राज्यसभा की विधानसभाओं में महिलाओं के लिए आरक्षण के प्रति इच्छाशक्ति का अंदाजा इस बात से लगाइये कि 19 सितम्बर 2023 को नए संसद भवन की कार्यवाही में इस बिल को नारी शक्ति वंदन अधिनियम के नाम से पेश किया गया। यह 21वीं सदी का एक सबसे बड़ा निर्णय है। डॉ0 सीमा मिश्रा असि0 प्रोफेसर(भूगोल विभाग) ने कहा कि नारी शक्ति वंदन अधिनियम के द्वारा महिलाओं को अधिकार एवं महिलाओं की सीधी भागीदारी बढ़ने से नीतियों और फैसलों में उनकी भूमिका और मजबूत होगी, जिससे भारतीय लोकतंत्र को और मजबूती मिलेगी। दशकों का इन्तज़ार अब समाप्त हुआ, कल तक जो अधिकार सपना था आधी आबादी का, अब वह हकीकत बन चुका है। ये कानून हमारे देश की नियति को बदलने वालो कानून है। ये कानून उन करोड़ों महिलाओं के सपने को पंख देगा जो देश की सेवा करना चाहती हैं। जिला और ग्राम पंचायतों में लाखों से अधिक मातृशक्ति देश का गौरव बढ़ा रही हैं। हमारे माननीय प्रधानमंत्री मोदी जी ने डॉ० बाबा साहेब भीमराव अम्बेडकर जी के सपने को सच कर दिखाया है। बाबा साहब जी ने एक सभा को संबोधित करते हुए कहा था कि किसी समाज की प्रगति का अनुमान हम इस बात से लगा सकते हैं कि उस समाज की महिलाओं की तरक्की कितनी है। इस अधिनियम से लोकसभा, विधानसभा में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्राप्त होगा। संकल्प से सिद्धि का ऐतिहासिक संकल्प नारी शक्ति वंदन अधिनियम है। पुष्पावती मिश्रा एडवोकेट सिविल कोर्ट सिद्धार्थनगर ने कहा कि वर्ष 2014 से ही केन्द्र सरकार व उ0प्र0 सरकार द्वारा महिला सशक्तीकरण पर अनेक प्रयास किए। समाज में महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान की चिन्ता की। करोड़ों परिवारों को शौचालय दिया जिन्हे इज्जत घर का नाम दिया गया। महिला की कठिनाईओं को समझकर उनके हितों का ध्यान रखते हुए एक अच्छी पहल थी। घर–घर जल पहुँचाना, प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत में महिलाओं के नाम पर घर, तीन तलाक से मुक्ति के कानून में मुस्लिम समाज की महिलाओं में विश्वास बढ़ाने का कार्य किया। हर गांव में चूल्हा फूंकती महिलाओं के आँखों में आँसू देख उज्ज्वला योजना लाकर फ्री गैस कनेक्शन दिए। माननीय मोदी जी ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत महिलाओं को मालिकाना हक देकर उनके नाम की रजिस्ट्री कर उन्हें घर का मालिक बना दिया। नारी शक्ति वंदन अधिनियम महिला सशक्तिकरण एवं महिलाओं को राजनीतिक एवं नेतृत्व क्षमता प्रदान करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। महिलाओं की शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य से संबंधित नीतिगत निर्णयों में उनकी आगीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। डॉ0 संध्या पाठक कास्मेटोलाजी/स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, डॉ0 सीमा मिश्रा असि0 प्रोफेसर(भूगोल विभाग) एवं श्रीमती पुष्पावती मिश्रा एडवोकेट सिविल कोर्ट सिद्धार्थनगर ने लोगों से अपील किया कि इस ऐतिहासिक निर्णय नारी शक्ति वंदन अधिनियम की जानकारी जन–जन तक पहुँचाएं तथा 9667173333 पर मिस्ड कॉल देकर बिल के समर्थन में सहभागिता सुनिश्चित कराएं।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकने की अपील, उल्लंघन पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिले में बाल विवाह रोकने के लिए प्रशासन ने सख्त रुख अपनाया है। जिला प्रोबेशन अधिकारी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर आमजन से अपील की है कि बाल विवाह जैसी कुरीति को रोकने में सहयोग करें। जारी जानकारी के अनुसार, लड़कों की न्यूनतम विवाह आयु 21 वर्ष और लड़कियों की 18 वर्ष निर्धारित है। इससे कम उम्र में विवाह कराना बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इस अधिनियम के अंतर्गत बाल विवाह कराने वाले वयस्क, आयोजन कराने वाले तथा इसमें शामिल अन्य व्यक्तियों के खिलाफ 2 वर्ष तक का कठोर कारावास या 1 लाख रुपये तक का जुर्माना, अथवा दोनों का प्रावधान है। अधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह से बच्चों के शारीरिक और मानसिक विकास पर गंभीर दुष्प्रभाव पड़ता है। खासतौर पर ऐसे मामले अक्सर अक्षय तृतीया के अवसर पर सामने आते हैं, जो इस वर्ष 19 अप्रैल 2026 को मनाई जाएगी। प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे किसी भी बाल विवाह की सूचना तत्काल जिला प्रोबेशन अधिकारी कार्यालय के फोन नंबर 7518024039, महिला हेल्पलाइन 181, चाइल्ड हेल्पलाइन 1098 या नजदीकी थाने को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके। जिला प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बाल विवाह को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

आग से झुलसी किशोरी की मौत, शॉर्ट सर्किट से लगी आग

दैनिक बुद्ध का संदेश

भवनिगंज। स्थानीय थाना क्षेत्र के केवटली नानकर गांव में गुरुवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया, जहां आग लगने से 16 वर्षीय किशोरी की मौत हो गई। घटना से पूरे गांव में शोक की लहर दौड़ गई। जानकारी के अनुसार, केवटली नानकर गांव के टोला नौडीहा निवासी भगवानदीन की 16 वर्षीय पुत्री गायत्री वर्मा घर में मौजूद थी। गुरुवार दोपहर करीब तीन बजे अचानक घर में शॉर्ट सर्किट होने से आग लग गई। आग लगने से घर में रखा बोर्ड और होल्डर जलने लगे, जिससे तेजी से आग फैल गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप ले लिया और उसकी चपेट में किशोरी आ गई। आग में गंभीर रूप से झुलसने के कारण मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना के समय परिवार के अन्य सदस्य घर पर मौजूद नहीं थे, जिससे बचाव कार्य समय पर नहीं हो सका। सूचना मिलने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक काफी देर हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। थानाध्यक्ष भवनिगंज राजा सिंह ने बताया कि मौके पर पुलिस टीम पहुंची थी, लेकिन परिजनों ने किसी प्रकार की कानूनी कार्रवाई करने से इनकार कर दिया। इस हृदयविदारक घटना से गांव में मातम पसरा हुआ है और परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है।

ई-रिक्शा चालकों की मनमानी से शोहरतगढ़-बढ़नी में ध्वस्त हुई यातायात व्यवस्था

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ तहसील क्षेत्र के नगर पंचायत शोहरतगढ़ और नगर पंचायत बढ़नी में इन दिनों ई–रिक्शा चालकों की मनमानी के चलते सड़कों पर चलना मुश्किल हो गया है। हर जगह जाम की स्थिति बनी रहती है, जिससे न सिर्फ वाहन चालक बल्कि पैदल राहगीर भी भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। कस्बों में ई–रिक्शा चालकों के मनबढ़ रवैये के कारण यातायात व्यवस्था पूरी तरह चरमरा गई है। आए दिन लगने वाले जाम से आमजन का जनजीवन प्रभावित हो रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, ई–रिक्शा चालक बीच सड़क पर ही वाहन मोड़ देते हैं और कहीं भी वाहन खड़ा कर सवारी बैठाने लगते हैं, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है। इतना ही नहीं, कई बार टोकने पर चालक आपस में गोलबंद होकर विवाद और मारपीट पर उतारू हो जाते हैं, जिससे लोग उन्हें कुछ कहने से भी कतराते हैं। शोहरतगढ़ कस्बे में सबसे खराब स्थिति पुलिस पिकेट के आसपास देखी जा रही है। खुनुवा रोड पर पिकेट से महज 10 मीटर की दूरी पर ही ई–रिक्शा खड़े कर दिए जाते हैं, जिससे लगातार जाम लगा रहता है। इस दौरान ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी और होमगार्ड भी स्थिति को नियंत्रित करने में बेबस नजर आते हैं। वहीं, नगर पंचायत बढ़नी में भी हालात कम गंभीर नहीं हैं। माल गोदाम तिराहे पर

ई–रिक्शा का जमावड़ा लगा रहता है, जबकि दूसरी ओर सड़क पर दुकानदारों और टेंपो चालकों का अतिक्रमण बना रहता है। इससे वहां हमेशा जाम की स्थिति बनी रहती है और दुर्घटना की आशंका भी बनी रहती है। माल गोदाम तिराहे से सरहद की ओर जाने वाले मुख्य मार्ग पर गोला बाजार में स्थिति और भी चिंताजनक है। यहां पिच रोड के दोनों किनारों पर दुकानदारों का कब्जा है, जबकि सड़क पर ही ठेले वाले भी खड़े रहते हैं। कुछ ठेले वालों ने तो बीच सड़क पर स्थायी रूप से कब्जा कर रखा है। ऐसे में उसी रास्ते से गुजरने वाले ई–रिक्शा चालकों की लापरवाही स्थिति को और भी गंभीर बना देती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाने के प्रयास कभी–कभार ही किए जाते हैं, जिससे कोई स्थायी समाधान नहीं निकल पाता। जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी इसी मार्ग से गुजरते हैं, लेकिन अतिक्रमण और अव्यवस्था पर प्रभावी कार्रवाई नहीं हो पा रही है। बढ़नी तिराहे पर स्थिति यह है कि मोड़ के पास ही अस्थायी दुकानें लगा दी गई हैं, जिससे वाहन चालकों को रास्ते का स्पष्ट अंदाजा नहीं हो पाता और दुर्घटनाएं होने की संभावना बनी रहती है। स्थानीय नागरिकों ने प्रशासन से मांग की है कि ई–रिक्शा संचालन पर नियंत्रण, अवैध अतिक्रमण हटाने तथा यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए सख्त और नियमित कार्रवाई की जाए, ताकि आमजन को जाम और अव्यवस्था से राहत मिल सके।

शोहरतगढ़ पुलिस ने महिलाओं को दी अधिकार और सुरक्षा की जानकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। थाना शोहरतगढ़ क्षेत्र के ग्राम मड़वा में शुक्रवार को मिशन शक्ति फेज 5.0 (द्वितीय चरण) के अंतर्गत जन चौपाल एवं बहू–बेटी सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को सुरक्षा, अधिकार एवं स्वावलंबन के प्रति जागरूक करना रहा। सीओ मयंक द्विवेदी के कुशल पर्यवेक्षण एवं प्रभारी निरीक्षक नवीन कुमार सिंह के नेतृत्व में आयोजित पुलिस टीम गांव पहुंची और उपस्थित महिलाओं एवं बालिकाओं को विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। सम्मेलन में दहेज उत्पीड़न, पॉक्सो एक्ट, लैंगिक शोषण, बाल विवाह एवं महिला संबंधी अपराधों से बचाव के उपायों पर विस्तार से चर्चा की गई। साथ ही पीड़ित महिलाओं की काउंसलिंग कर उन्हें कानूनी सहायता के प्रति जागरूक किया गया। पुलिस टीम ने महिलाओं को विभिन्न हेल्पलाइन नंबरों 1090 (वुमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन), 112 (पुलिस), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 1930 (साइबर हेल्पलाइन) सहित अन्य सेवाओं की जानकारी दी। इसके अलावा थानों पर स्थापित मिशन शक्ति केंद्रों के बारे में भी बताया गया, जहां महिलाएं अपनी समस्याएं दर्ज करा सकती हैं। कार्यक्रम के दौरान मिशन शक्ति 5.0 के स्टीकर भी चस्पा किए गए और यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलायी गई।इस अवसर पर उप निरीक्षक परमानंद राय, हेड कांस्टेबल अविनाश सिंह, महिला कांस्टेबल शोभा भारत सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे।

ग्राम चौपाल में गूंजा जनसंवाद, विधायक विनय वर्मा ने सुनीं समस्याएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शोहरतगढ़ विकास खंड के ग्राम पंचायत कोईरीडीहा एवं महथा में ग्रामीण समस्याओं के त्वरित समाधान के उद्देश्य से ग्राम चौपाल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे विधायक विनय वर्मा का खंड विकास अधिकारी चन्द्र भूषण तिवारी, ग्राम प्रधान एवं अन्य अधिकारियों ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस दौरान स्कूली छात्राओं ने स्वागत गीत व सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। आयोजित ग्राम चौपाल कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक विनय वर्मा ने स्पष्ट रूप से निर्देश दिया कि चौपाल का आयोजन विद्यालय परिसर में न किया जाए। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रमों का मुख्य उद्देश्य सरकार की योजनाओं को प्राथमिकता के साथ ग्रामीणों तक पहुंचाना है। उन्होंने आयुष्मान योजना सहित स्वास्थ्य, शिक्षा एवं रोजगार जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर ग्रामीणों से खुलकर संवाद किया। साथ ही यह भी आश्वस्त किया कि किसी भी आवश्यकता पर लोग सीधे उनसे संपर्क कर सकते हैं। विधायक ने कहा कि ग्राम चौपाल की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि अधिकारी स्वयं गांव में आकर लोगों की समस्याएं सुनते हैं, जिससे ग्रामीणों को अनावश्यक भागदौड़ नहीं करनी पड़ती। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि जनता से सीधा संवाद ही लोकतंत्र की असली ताकत है और ग्रामीण क्षेत्रों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान उनकी प्राथमिकता है। ग्राम चौपाल का उद्देश्य यही है कि लोगों को दफ्तरों के चक्कर न लगाने पड़ें और सरकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक सुनिश्चित किया जा सके। बहुप्रतीक्षित संपर्क मार्गों को मिली मंजूरी, आज होगा भूमि पूजन– ढेकहरी बुजुर्ग से ढेकहरी खुर्द तक प्रस्तावित मिसिंग लिंक मार्ग को लेकर चर्चा करते हुए

जनप्रतिनिधि ने कहा कि वह अपने वादों को पूरा करने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। उन्होंने यह भी बताया कि केंद्र और प्रदेश सरकार जनहित से जुड़े हर वादे को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने लोकसभा चुनाव के दौरान की स्थिति को याद करते हुए कहा कि उस समय क्षेत्र में "सड़क नहीं तो वोट नहीं" जैसे नारे सुनने को मिल रहे थे, जो सड़कों की बदहाल स्थिति को दर्शाता था। अब उन्हीं महत्वपूर्ण मार्गों के निर्माण की दिशा में ठोस कदम उठाया गया है और आज उनका भूमि पूजन किया जाएगा। चौपाल को संबोधित करते हुए बीडीओ चन्द्र भूषण तिवारी ने कहा कि इस पहल का उद्देश्य गांव स्तर पर ही समस्याओं का समाधान करना है। उन्होंने बताया कि जो समस्याएं मौके पर हल नहीं हो पातीं, उन्हें उच्च अधिकारियों को भेजकर नियमानुसार निस्तारित किया जाता है। कार्यक्रम में बैंक प्रतिनिधि संतोष शुक्ला ने बैंकिंग, बीमा एवं स्वरोजगार से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने मशरूम खेती, अगरबत्ती, मोमबत्ती, अचार व मसाला उद्योग जैसे घरेलू रोजगार के विकल्पों के साथ मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना, अटल पेंशन योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना सहित विभिन्न योजनाओं के बारे में जागरूक किया। सचिव राम सिंह (प्रभारी एडीओ आईएसबी) ने पीएम आवास योजना, राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन समेत विभिन्न ब्लॉक स्तरीय योजनाओं की जानकारी दी। वहीं अपना दल (एस) के विधानसभा अध्यक्ष रामदास मौर्य ने क्षेत्र में कराए गए विकास कार्यों जैसे सोलर लाइट, हाईमास्ट लाइट, खेल स्टेडियम, ऑक्सीजन प्लांट, बारात घर एवं सड़क निर्माण का उल्लेख किया। इसी क्रम में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा गोद भराई कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। विधायक ने कोईरीडीहा में राधिका पत्नी अनीश, तारा पत्नी रामू तथा महथा में खुशबू पत्नी राजकमल व गीता पत्नी मनोज को फल भेंट कर उनके स्वास्थ्य की कामना की। इस दौरान गर्भवती महिलाओं को पोषण, टीकाकरण और नियमित जांच के प्रति जागरूक किया गया। चौपाल में स्वच्छता, पोषण, शिक्षा एवं सरकारी योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया गया। कोइरीडीहा में कार्यक्रम का संचालन सन्दीप कुमार एवं महथा में कार्यक्रम का संचालन अपना दल (एस) के विधानसभा अध्यक्ष रामदास मौर्य ने किया। कार्यक्रम में प्रमुख रूप में कोईरीडीहा ग्राम प्रधान रेनू शर्मा, प्रधान प्रतिनिधि विनोद कुमार, एसडीओ (हायडिल) विनोद कुमार, अधीक्षक डॉ एके आज़ाद, एआरओ सतीश चन्द्र, खण्ड शिक्षा अधिकारी संजय कुमार एडीओ एजी राजीव सिंह, एडीओ समाज कल्याण प्रमोद, राजस्व निरीक्षक अवधेश सिंह, टीए पियूष मिश्रा, टीए शिव पूजन प्रसाद, एडीओ आर.डी. संतोष कुमार, सचिव एवं प्रभारी एडीओ पं० कुंवर कन्नौजिया, सीडीपीओ रविन्द्र यादव, लेखपाल सुनील सिंह, सी.एच.ओ. स्मिता राज, सुपर वाइजर मंजू भारती, शिव कुमार, दीपक कुमार, प्रा.वि. कोइरीडीहा के प्रधानाध्यापक लखन्दर राम, पूर्व माध्यमिक विद्यालय प्रधानाचार्य विजय बहादुर, स.अ. विनीता कुमारी पाठक, गरिमा यादव, शिक्षा मित्र मनीराम, नीलम, पंचायत सहायक कु. वंदना यादव आदि मौजूद रहे तो वहीं महथा में आयोजित चौपाल में ग्राम प्रधान सीताराम, सचिव अजय भारतीया, सचिव गौरव श्रीवास्तव, सचिव कामेश्वर मिश्रा, लेखपाल रामभरत, पंचायत सहायक शीतल कुमारी, इंद्रजीत पासवान, रोजगार सेवक मोहम्मद शमीम, इंचार्ज प्र०अ० संजय कुमार, प्रीति मिश्रा, निधि सिंह, सरिता देवी, रीता गोस्वामी समेत कई लोग उपस्थित रहे।

परसिया गाँव के पास अनियंत्रित होकर पलटी मुर्गियों से भरी पिकअप

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे चिल्हिया थाना क्षेत्र अंतर्गत छभ–730 पर परसिया मोड़ स्थित समय माता मंदिर के पास एक पिकअप

वाहन अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी का माहौल बन गया और कुछ समय के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पिकअप वाहन तेज रफ्तार में था। बताया जा रहा है कि चालक वाहन चलाना अपने खलासी को सिखा रहा था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ गया और वाहन पलट गया। दुर्घटना में चालक को हल्की चोटें आई हैं, जबकि खलासी भी वाहन में मौजूद था, लेकिन दोनों सुरक्षित बताए जा रहे हैं। हादसे के दौरान पिकअप में लदी मुर्गियां सड़क पर बिखर गईं, जिससे मौके पर लोगों की भीड़ जुट गई। हालांकि गनीमत रही कि इस घटना में कोई बड़ा नुकसान या जनहानि नहीं हुई। सूचना मिलते ही चिल्हिया थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करते हुए यातायात को सुचारू कराया। दुर्घटनाग्रस्त वाहन को हटवाकर सड़क को साफ कराया गया। बताया जा रहा है कि पिकअप वाहन नौगढ़ क्षेत्र का है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है और दुर्घटना के कारणों की विस्तृत पड़ताल की जा रही है।

नारी शक्ति संगोष्ठी में गूंजा महिला सशक्तिकरण का संदेश

दैनिक बुद्ध का संदेश

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। भाजपा शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के तत्वावधान में नगर पंचायत शोहरतगढ़ में नारी शक्ति वंदन संगोष्ठी एवं हस्ताक्षर अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजक नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल रहीं, जबकि मुख्य अतिथि भाजपा महिला मोर्चा की जिला महामंत्री अनुपमा सिंह उपस्थित रहीं। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि अनुपमा सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास और प्रगति के मार्ग पर अग्रसर है। वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री लगातार महिलाओं के हित में ऐतिहासिक निर्णय ले रहे हैं, जिससे उन्हें अधिकार मिलने के साथ उनका सशक्तिकरण भी हो रहा है। उन्होंने कहा कि डॉ. भीमराव अंबेडकर की सोच को आगे बढ़ाते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने नारी शक्ति को लोकसभा और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण दिलाने का संकल्प लिया है। यह 21वीं सदी का एक ऐतिहासिक निर्णय है और इसके लागू होने के बाद महिलाओं का तेजी से सशक्तिकरण सुनिश्चित होगा। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष उमा अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का सम्मान करते हुए मुस्लिम महिलाओं को तीन तलाक जैसी कुप्रथा से मुक्ति दिलाकर नया इतिहास रचा है। इससे महिलाओं को सम्मान और सुरक्षा मिली है। कार्यक्रम के दौरान नारी शक्ति द्वारा हस्ताक्षर अभियान चलाकर प्रधानमंत्री के प्रति आभार भी व्यक्त किया गया। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष शिवशक्ति शर्मा, महिला मोर्चा अध्यक्ष देवकीनंदनी चौधरी, रूपा देवी, सुमन पासवान, निर्मला केवट, सावित्री केवट, वंदनी निषाद, सुनीता देवी, सुमन निषाद, मधु भारती, माला देवी, ज्योति देवी, लक्ष्मी देवी, सोनम चौधरी, शीला देवी सहित सैकड़ों की संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ा बांसी का पिंक शौचालय : दरवाजा टूटा, जिम्मेदार मौन

दैनिक बुद्ध का संदेश

बांसी/सिद्धार्थनगर। स्वच्छ भारत मिशन के दावों को धरातल पर हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है। आदर्श नगर पालिका परिषद बांसी द्वारा ब्लॉक परिसर में निर्मित पिंक शौचालयश आज खुद अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। रख–रखाव के अभाव में यह शौचालय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ चुका है, जिससे यहाँ आने वाले फरियादियों और कर्मचारियों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।महीनों से टूटा है दरवाजा, निजता का संकट ब्लॉक परिसर में स्थित इस पिंक शौचालय की स्थिति इतनी खराब है कि इसके दरवाजे पिछले कई महीनों से टूटे पड़े हैं। आलम यह है कि ब्लॉक में अपने कार्यों के लिए आने वाली महिला फरियादियों और विभागीय कर्मचारियों को शौच के लिए दर–दर भटकना पड़ता है। शौचालय के अंदर की टाइलें और फिटिंग्स भी क्षतिग्रस्त हो चुकी हैं, जो निर्माण की गुणवत्ता पर बड़े सवाल खड़े करती हैं।मरम्मत के नाम पर शबंदरबांटश के आरोप सूत्रों के हवाले से यह भी जानकारी मिली है कि कागजों पर शौचालय की मरम्मत के नाम पर धन की निकासी भी की जा चुकी है, लेकिन धरातल पर सुधार के नाम पर एक ईंट भी नहीं रखी गई। नगर पालिका के जिम्मेदारों को इस बदहाली की पूरी जानकारी होने के बावजूद अब तक कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया है।फरियादियों में बढ़ता आक्रोश। ब्लॉक परिसर में आने वाले लोगों का कहना है कि एक तरफ सरकार स्वच्छता और सुविधाओं पर करोड़ों खर्च कर रही है, वहीं दूसरी तरफ स्थानीय स्तर पर अधिकारियों और जिम्मेदारों की अनदेखी के कारण जनता को बुनियादी सुविधाओं के लिए भी परेशान होना पड़ रहा है। स्थानीय नागरिकों ने जल्द से जल्द शौचालय की मरम्मत कराने और इसमें हुए कथित भ्रष्टाचार की जांच करने की मांग की है।

326 नशीली दवाओं के साथ धराया युवक

दैनिक बुद्ध का संदेश

कपिलवस्तु। भारतीय सीमा पर एसएसबी पुलिस की संयुक्त गस्त के दौरान 326 नशीली दवाओं के साथ एक युवक को पकड़ा गया है।विधिक कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेजा गया। कोतवाली क्षेत्र में गुरुवार देर रात्रि को दोनों सुरक्षा एजेंसी अलीगढ़वा चाकर चौड़ा सीमा पर गस्त कर रही थी। जिसके दौरान एक युवक मोटर साइकिल लेकर आता दिखाई दिया।जवानों ने रोका जिसकी तलाशी ली गयी।उसके पास से 212 स्पाश्मो कैप्सूल वा 105 अल्प्राज टेबलेट बरामद हुआ। पकड़े गए युवक की पहचान राम मूरत पुत्र सुक्खू ग्राम महुवारी थाना नौतनवा जिला महराजगंज के रूप में हुई। मोटर साइकिल सहित पकड़े गए युवक को कार्यवाही के पश्चात न्यायालय भेज दिया गया। सीजर में एसएसबी इंस्पेक्टर विश्व दीपक त्रिपाठी, एसआई रामावत विनोद कुमार,अजीत सिंह,अभिषेक,कोतवाली से एसआई शदरुल आलमीन,पवन कुमार,उपेन्द्र प्रजापति शामिल रहे।

सम्पादकीय

इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि उनके आंदोलन व जनाक्रोश का लाभ सियासी रस्साकशी में लगे लोगों ने उठाया हो। वक्त की जरूरत है कि आंदोलन में शामिल संगठनों को बातचीत की मेज पर लाया जाए। जिससे कारगिल की अस्मिता से जुड़े संवेदनशील मुद्दों ...

लोकतांत्रिक प्रतिरोध की भूमिका स्वीकारें

हाल ही में लेह में हिंसा का घटनाक्रम दुर्भाग्यपूर्ण ही कहा जाएगा। लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी तो है लेकिन अराजक होने की अनुमति नहीं दी जा सकती। लेकिन सत्ताधीशों को प्रतिरोध व बेचौनी के निहितार्थों को संवेदनशील ढंग से समझना चाहिए। लद्दाख में जनाक्रोश के कारण समझे जाने चाहिए। कहीं न कहीं लोगों को केंद्रशासित प्रदेश बनने के बाद की आकांक्षाएं फलीभूत होती नजर नहीं आयी। उन्हें लगा कि उनकी भूमि व संसाधन बाहरी दबाव में आ सकते हैं। यही डर है जिसकी वजह से लोग संवैधानिक सुरक्षा की मांग छठी अनुसूची के रूप में करते रहे हैं।

पर्यावरणविद् और सामाजिक कार्यकर्ता सोनम वांगचुक लगातार चेताते भी रहे हैं कि अस्मिता की अनदेखी असंतोष को गहरा सकती है। इसको लेकर केंद्र से वांगचुक की अगुवाई में कई दौर की बातचीत भी हुई। कहीं न कहीं अगस्त 2019 में केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद किए वायदों को लेकर छह साल बाद लोगों का सब्र जवाब देने लगा। वांगचुक इस मुद्दे पर लंबे समय से आंदोलन करते रहे हैं। बीते साल मार्च में वह 21 दिनों के अनशन पर बैठे थे। दिल्ली पदयात्रा के दौरान भी उन्होंने अनशन किया था। उनका आंदोलन अहिंसक ही रहा है। केंद्र से कई मुद्दों पर मतैक्य न होने के बावजूद वे बातचीत के हामी रहे हैं। लेकिन हालिया हिंसा के बाद उनकी गिरफ्तारी को लेकर देश में विपक्षी दलों व जन आंदोलनों से जुड़े लोगों ने सवाल उठाये हैं। उनका मानना है कि लद्दाख के लोगों की चिंताओं पर संवेदनशील ढंग से विचार हो। दरअसल, वांगचुक और लद्दाख के लोगों की चिंता रही है कि यदि शासन में उनकी भागीदारी न रही तो लद्दाख के प्राकृतिक संसाधनों का गलत तरीके से उपयोग हो सकता है। दरअसल, वांगचुक उस छठी अनुसूची के क्रियान्वयन की मांग करते रहे हैं, जिसमें स्वशासन व स्वायत्तता निहित है। पूर्वोत्तर के कई जनजातीय बहुल राज्यों को इसके अंतर्गत संरक्षण मिला हुआ है। सर्वविदित है कि वांगचुक रचनात्मक, सामाजिक अभियानों व पर्यावरण अभियानों से जुड़े रहे हैं। उनके कृत्रिम ग्लेशियर बनाने के प्रयासों की पूरी दुनिया में चर्चा हुई है। उनके कार्यों की लोकप्रियता का आलम ये रहा है कि उनके रचनात्मक विचारों व शिक्षा पद्धति पर आधारित फिल्म 'थ्री इडियट' देश में हिट रही। निश्चित ही सख्त धाराओं में उनकी गिरफ्तारी का देश–दुनिया में अच्छा संदेश नहीं जाएगा। इस आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता कि उनके आंदोलन व जनाक्रोश का लाभ सियासी रस्साकशी में लगे लोगों ने उठाया हो। वक्त की जरूरत है कि आंदोलन में शामिल संगठनों को बातचीत की मेज पर लाया जाए। जिससे कारगिल की अस्मिता से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को संबोधित किया जा सके। लोकतंत्र में मांगों के समर्थन में जनआंदोलन उसकी खूबसूरती भी है। जिसको लेकर सत्ताधीशों को उदारता अपनानी चाहिए। हमारा स्वतंत्रता संग्राम ऐसे आंदोलनों से ही सशक्त हुआ था। हमें ध्यान रखना चाहिए कि लद्दाख महज एक चुनावी क्षेत्र नहीं है, पाक–चीन सीमा से सटा यह इलाका सामरिक व सांस्कृतिक दृष्टि से भी संवदेनशील है। यह बात दिल्ली तक सुनी जानी चाहिए।

शक्ति की अवधारणा और माता बगलामुखी

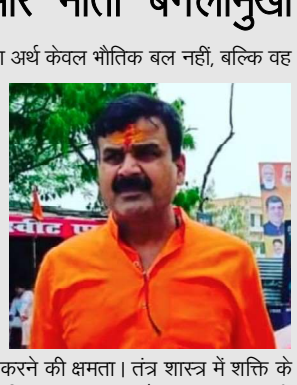

भारतीय दर्शन और आध्यात्म में श्शक्तिश का अर्थ केवल भौतिक बल नहीं, बल्कि वह ब्रह्मांडीय ऊर्जा है जिससे संपूर्ण सृष्टि का सृजन, संचालन और संहार होता है। जब हम माता बगलामुखी के संदर्भ में शक्ति की चर्चा करते हैं, तो यह श्स्तम्भनश (रोकने की शक्ति) और श्विजयाश (जीत) के रूप में प्रकट होती है ।शक्ति की व्यापक अवधारणा में शक्ति को शिव का पूरक माना गया है। यदि शिव श्शवश (निश्चल) हैं, तो शक्ति उनमें श्प्राणश का संचार करती हैं। इच्छा, ज्ञान और क्रिया, शक्ति के तीन मुख्य रूप हैं। किसी कार्य को करने की इच्छा,

उसे करने का ज्ञान और फिर उसे क्रियान्वित करने की क्षमता। तंत्र शास्त्र में शक्ति के दस विशिष्ट रूपों का वर्णन है, जिन्हें श्दश महाविद्याश कहा जाता है। माता बगलामुखी इन्हीं में से आठवीं महाविद्या हैं। माता बगलामुखी का स्वरूप और दर्शन कीजिए। माता बगलामुखी को श्पीताम्बराश भी कहा जाता है क्योंकि उन्हें पीला रंग अत्यंत प्रिय है। श्बगलाश शब्द संस्कृत के श्वल्गाश से निकला है, जिसका अर्थ है श्लगामश या श्दुश्मन को नियंत्रित करने वाली शक्तिश। माता बगलामुखी की सबसे बड़ी शक्ति श्स्तम्भनश है। यह किसी भी गतिशील वस्तु, शत्रु की बुद्धि, वाणी या प्रतिकूल परिस्थितियों को जड़ (स्थिर) कर देने की क्षमता है। पीला रंग ज्ञान और प्रकाश का प्रतीक है। माता का पीला वस्त्र और स्वर्ण आभा यह दर्शाती है कि वे साधक के भीतर के अंधकार को मिटाकर उसे सत्य का ज्ञान कराती है। माता के एक हाथ में गदा होती है और दूसरे हाथ से वे शत्रु की जिह्वा (जीभ) पकड़े हुए होती हैं। यह इस बात का प्रतीक है कि वे केवल बाहरी शत्रुओं का ही नहीं, बल्कि मनुष्य के भीतर के श्अधर्मश और श्मिथ्याश (झूठ) का भी दमन करती हैं। आध्यात्मिक दृष्टि से बगलामुखी की साधना का अर्थ केवल शत्रुओं पर विजय पाना नहीं है, बल्कि अपनी इन्द्रियों और चंचल मन पर नियंत्रण पाना है।श्जिह्वा पकड़नाश इस बात का संकेत है कि साधक को अपनी वाणी पर नियंत्रण रखना चाहिए। अनावश्यक बोलना ऊर्जा का क्षय है। जब जीवन में संकट आता है, तो बगलामुखी शक्ति साधक को मानसिक स्थिरता प्रदान करती है ताकि वह विचलित न हो। ध्यातव्य है सतयुग में जब भीषण तूफान आया और सृष्टि का विनाश होने लगा, तब भगवान विष्णु की तपस्या से प्रसन्न होकर माता बगलामुखी प्रकट हुईं। उन्होंने अपनी स्तम्भन शक्ति से उस विनाशकारी तूफान को रोक दिया और सृष्टि की रक्षा की। इसी कारण उन्हें श्ब्रह्मास्त्र विद्याश भी कहा जाता है। माता बगलामुखी , बिखरी हुई ऊर्जा को एक जगह स्थिर करना ही सफलता की कुंजी है। जहाँ तर्क विफल हो जाते हैं, वहाँ आत्मशक्ति और सत्य की शक्ति कार्य करती है। बाहरी दुनिया को जीतने से पहले अपनी आंतरिक बुराइयों (क्रोध, लोभ, मोह) को श्स्तम्भितश करना आवश्यक है। माता बगलामुखी की उपासना केवल मंत्रों तक सीमित नहीं है, बल्कि यह अपने भीतर की अदम्य शक्ति को पहचानकर उसे सही दिशा में लगाने का मार्ग है।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

खाद्य सुरक्षा के लिए जरूरी मौसम अनुकूल खेती

यदि देश के कुल अनाज उत्पादन में बड़ी गिरावट आती है, तो इसका असर केवल किसान की आय पर ही नहीं, बल्कि देश की जीडीपी और आम आदमी की रसोई पर पड़ेगा। समझना होगा कि धरती का बढ़ता तापमान हमारे विकास के मश्वडल पर प्रकृति का प्रतिघात है। मिट्टी की नमी को बचाना और बदलती जलवायु के अनुसार खुद को ढालना अब हमारी पसंद नहीं, बल्कि अस्तित्व की मजबूरी है...

जलवायु बदलाव के चलते फरवरी में तापमान सामान्य से ज्यादा हो रहा है। इसका प्रभाव गेहूं आदि रबी फसलों व आम की पैदावार पर है। यानी खाद्य सुरक्षा संकट में है। इसका समाधान 'क्लाइमेट स्मार्ट कृषि' में निहित है। यानी इसमें मल्चिंग, माइक्रो सिंचाई व 'हीट टॉलरेंट' किस्में मददगार होंगी। फरवरी का महीना आमतौर पर गुलाबी ठंड और वसंत की मंद बयार का प्रतीक माना जाता रहा है। यह वह समय होता है जब रबी की फसलें और आम के बगीचे अपने यौवन पर होते हैं। लेकिन साल 2026 की यह फरवरी डराने वाली है। फरवरी के मध्य में ही देश के एक बड़े हिस्से में पारा 30 से 32 डिग्री सेल्सियस के पार जा चुका है, जो सामान्य से करीब 5 से 7 डिग्री अधिक है। यह केवल एक मौसमी उतार–चढ़ाव नहीं है, बल्कि 'ग्लोबल वार्मिंग' का वह क्रूर चेहरा है जो सीधे हमारी थाली और देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर प्रहार कर रहा है। जलवायु परिवर्तन का सबसे घातक प्रहार हमारी खाद्य सुरक्षा और 'फलों के राजा' आम पर हो रहा है। रबी की मुख्य फसल गेहूं के लिए फरवरी का दूसरा पखवाड़ा 'ग्रैन फिलिंग' यानी बालियों में दाना भरने की अवस्था का होता है। इस नाजुक दौर में अचानक बढ़ी गर्मी श्थर्मल स्ट्रेसश पैदा कर रही है। जब तापमान 30 डिग्री के ऊपर बना रहता है, तो पौधों के भीतर चयापचय की प्रक्रिया असामान्य रूप से तेज हो जाती है और दाना पूरी तरह विकसित होने से पहले ही सख्त होने लगता है। इसे वैज्ञानिक भाषा में श्फोर्स्ड मेच्योरिटीश कहा जाता है। परिणामस्वरूप, दाना छोटा, हल्का और झुर्रियों वाला रह जाता है। कृषि वैज्ञानिकों का अनुमान है कि यदि तापमान में इसी तरह की वृद्धि जारी रही, तो गेहूं की पैदावार में प्रति हेक्टेयर 15 से 20 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। सागर और औरैया के खेतों से आ रही रिपोर्टें बताती हैं कि गेहूं की बालियां समय से पहले सफेद पड़ रही हैं, जो सीधे तौर पर किसान की साल भर की मेहनत पर पानी फेरने जैसा है। विशेषज्ञ बताते हैं कि आम का पुष्पन जाड़े के अंत और वसंत की शुरुआत में स्थिर तापमान और मध्यम आर्द्रता में होता रहा है। किंतु तापमान की वर्तमान अनिश्चितता ने इस प्रक्रिया को 'रोलर–कोस्टर' बना दिया है।

इसके विपरीत, यदि अचानक तापमान गिरता है, तो फूलों का खुलना असमान हो जाता है। सुबह की अत्यधिक नमी फफूंदजनित रोगों का जोखिम बढ़ा रही है, जबकि दोपहर की शुष्क हवा पराग के अंकुरण को बाधित कर रही है। नतीजा यह है कि या तो फूल गिर रहे हैं, या निषेचन के बाद भी फल टिक नहीं पा रहे हैं। आमतौर पर सर्दियों में होने वाली 'मावट' या बारिश फसलों के लिए अमृत समान होती थी, लेकिन इस साल शुष्कता और बढ़ती गर्मी ने मिट्टी की नमी को सोख लिया है। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के रिकॉर्ड बताते हैं कि पिछले एक दशक में फरवरी के महीने में लू जैसी स्थितियों की आवृत्ति बढ़ी है। इस पैटर्न में भारत के मौसम चक्र से 'वसंत' ऋतु धीरे–धीरे गायब हो रही है। इसका असर केवल गेहूं और आम पर ही नहीं, बल्कि सरसों और दलहन पर भी पड़ रहा है। सरसों की फलियों में तेल की मात्रा कम होने की आशंका है और चने के पौधों में फूल समय से पहले ही झड़ रहे हैं। इस विकट परिस्थिति का निदान अब केवल पारंपरिक खेती के ढर्रे पर चलकर संभव नहीं है। हमें 'क्लाइमेट स्मार्ट एग्रीकल्चर' यानी जलवायु–अनुकूल कृषि की ओर युद्धस्तर पर बढ़ना होगा। मिट्टी की नमी बचाने के लिए गन्ने की सूखी पत्तियों, भूसे या सूखी घास से 'मल्चिंग' करना अब अनिवार्यता है। यह तकनीक सतह के तापमान को स्थिर रखती है और पानी के वाष्पीकरण को रोकती है।

इसके साथ ही, सूक्ष्म–सिंचाई (ड्रिपध स्प्रिंकलर) को अपनाकर 'कम पानीकृज्यादा असर' के सिद्धांत पर काम करना होगा। बागों की मेढ़ों पर कटहल, बांस या नीम जैसे वायुरोधी अवरोध लगाने चाहिए ताकि तेज पछिया हवाओं से फूलों और फलों का बचाव हो सके। वैज्ञानिकों के अनुसार, पुष्पन के दौरान बोरॉन और जिंक जैसे सूक्ष्म–पोषक तत्वों का संतुलित छिड़काव फूलों की जीवन–क्षमता को बढ़ा सकता है। साथ ही, कीटों और रोगों के प्रबंधन के लिए मौसम–पूर्वानुमान आधारित छिड़काव ही कारगर होगा। ब्लॉक–स्तरीय मौसम परामर्श और सटीक पूर्वानुमान आज किसानों के लिए सबसे बड़े 'निर्णय–सहायक उपकरण' हैं। जलवायु परिवर्तन के इस दौर में किस्मों का विवेकपूर्ण चयन भी महत्वपूर्ण है। आम्रपाली, मल्लिका और गेहूं की 'हीट टॉलरेंट' किस्में जैसे डीबीडब्ल्यू 187 बदलती परिस्थितियों में बेहतर अनुकूलन दिखा रही हैं।

भारत में एकसाथ कई भाषाओं में तत्काल अनुवाद करने वाले एआई मश्वडल की जरूरत महसूस की जा रही थी। बेंगलुरु स्थित सर्वम एआई ने 18 फरवरी को दिल्ली में शिखर सम्मेलन के दौरान, चौटजीपीटी और डीपसीक जैसे अपने स्वयं के बड़े भाषा मश्वडल विक्रम का अनावरण करके इस काम को पूरा कर दिखाया है। विदेशी मश्वडलों के साथ भारतीय भाषाओं का मेल नहीं बैठ पाता है। टी–20 क्रिकेट ...

कल्पना नहीं, हकीकत है एआई की भारतीय दौड़

भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है। दिल्ली में गलगोटिया विवि के 'रोबोटिक डॉग' और 'ड्रोन सॉकर एरीना' के कारण हुई फजीहत के बाद कुछ लोग पूछ रहे हैं कि आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस के क्षेत्र में भारत वास्तव में क्या कुछ कर भी पाएगा? हमारे पास उसके लिए पर्याप्त तकनीकी आधार और टेलेंट है भी या नहीं? बहरहाल, इस घटना ने सरकार समर्थित टेक्नोलॉजी प्लेटफॉर्मों पर स्वदेशी नवाचार की गलत व्याख्या की ओर देश का ध्यान आकर्षित किया है। सोशल–मीडिया के लिए ऐसी घटनाएं चटपटे मसाले की तरह होती हैं, कुछ समय तक याद रहती हैं और फिर बिसरा दी जाती हैं। बहरहाल, इस घटना ने हमें इसकी उपयोगिता और अपनी उपलब्धियों पर विचार करने की सलाह दी है। इसके पहले जनवरी में दावोस सम्मेलन में अंतर्राष्ट्रीय मुद्राकोष की प्रबंध निदेशक क्रिस्टालिना जॉर्जिवा की इस टिप्पणी को लेकर भी विवाद हुआ था कि भारत 'सेकंड–टियर' एआई पॉवर है। राजनीति–शास्त्री आयन ब्रेमर ने भी इस बात का हवाला देते हुए कहा था कि नए उभरते देशों को अमेरिका या चीन के साथ तालमेल बिठाना चाहिए। इन दोनों बातों का तीखा जवाब देते हुए भारत के इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री, अश्विनी वैष्णव ने कहा, भारत एआई देशों की 'साफ पहली कतार' में है। उन्होंने एआई आर्किटेक्चर की पांच परतों के रूप में वर्णित भारत की प्रगति का विवरण दिया रू एप्लिकेशन, मॉडल, चिप, बुनियादी ढांचे और ऊर्जा के सभी पांच स्तरों पर 'भारत अच्छी प्रगति' कर रहा है। उन्होंने स्टैनफर्ड विवि की एक रिपोर्ट का हवाला दिया, जिसमें भारत को एआई प्रवेश और तैयारियों में तीसरे स्थान पर और वैश्विक स्तर पर एआई प्रतिभा में दूसरे स्थान पर रखा गया है। बाद में आईएमएफ की अधिकारी ने इस विवाद को ठंडा करते हुए कहा कि संगठन भारत की एआई

प्रगति के लिए भारी प्रशंसा करता है। उन्होंने इस गलतफहमी के लिए मॉडरेटर को दोषी ठहराया। अंतरिक्ष–विज्ञान, कंप्यूटिंग–सॉफ्टवेयर, बायोटेक्नोलॉजी, सेमी कंडक्टर, एआई और डेटा साइंस जैसी तकनीकों को 'हाईटेक' माना जाता है। इनका इस्तेमाल चिकित्सा (ईएचआर सिस्टम), विनिर्माण (रोबोटिक्स) और अनुसंधान (लैब डायग्नोस्टिक) के अलावा रक्षा–तकनीक और अंतरिक्ष–विज्ञान जैसे क्षेत्रों में प्रमुखता से होता है। स्टैनफर्ड यूनिवर्सिटी की 2025 ग्लोबल एआई वाइब्रेंसी रैंकिंग में भारत को अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर रखा गया है, जो लंबी छलांग है। नवंबर में जारी रिपोर्ट के अनुसार भारत एक साल में ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया, सिंगापुर और जापान को पीछे छोड़ते हुए, चार पायदान ऊपर चढ़ गया है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नीति और शासन श्रेणी में भारत पांच पायदान फिसला भी है, जिस पर ध्यान देने की जरूरत है। भारत का 2023 में सातवें से तीसरे स्थान पर पहुंचना वैश्विक एआई दौड़ में तेज गति को रेखांकित करता है। सरकार का अनुमान है कि भारत में अगले दो वर्षों में 200 अरब डॉलर से ज्यादा का पूंजी निवेश एआई पर ही आएगा। अमेरिका और चीन के भारी पूंजी निवेश को देखते हुए यह प्रगति प्रशंसनीय है। रिपोर्ट इस बात पर प्रकाश डालती है कि दुनिया भर की सरकारें एआई निवेश बढ़ा रही हैं रू कनाडा ने 2.4 अरब डॉलर, चीन ने 47.5 अरब डॉलर का सेमीकंडक्टर फंड लॉन्च किया है, फ्रांस ने 109 अरब यूरो का वादा किया है, भारत ने 1.25 अरब डॉलर की घोषणा की है, और सऊदी अरब का प्रोजेक्ट ट्रांसेंडेंस 100 अरब डॉलर के व्यापक प्रयास का प्रतिनिधित्व करता है। इन देशों के निवेश का कुछ हिस्सा भारत भी आएगा, क्योंकि भारत एआई के बड़े बाजार के रूप में विकसित हो रहा है। इसकी एक झलक दिल्ली में हुए एआई शिखर सम्मेलन में देखने को मिली, जिसमें 20 से अधिक राष्ट्राध्यक्ष, 60 मंत्री और 500 वैश्विक एआई लीडर शामिल हुए हैं। ग्लोबल साउथ में यह पहला वैश्विक एआई सम्मेलन है। इनमें फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों, स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज पेरेज–कास्टेजोन और श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के अलावा ओपनएआई के सीईओ सैम अल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के सीईओ डेमिस हसाबिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक, मुकेश अंबानी और माइक्रोसॉफ्ट के अध्यक्ष ब्रैड स्मिथ जैसे बड़े औद्योगिक पदाधिकारी शामिल थे। इससे पहले ब्रिटेन, दक्षिण कोरिया और फ्रांस में ऐसे सम्मेलन हो चुके हैं। बेशक भारत के पास अभी एआई की उन्नत विनिर्माण–सामर्थ्य नहीं है, क्योंकि उसके लिए आवश्यक चिप्स का उत्पादन हमारे यहां अभी नहीं हो रहा है, पर देश का सेमीकंडक्टर मिशन बहुत तेजी से गति पकड़ रहा है, जो चिप्स उपलब्ध कराएगा। एआई का मतलब केवल चिप्स निर्माण नहीं है। टेक्नोलॉजी का निर्माण करने के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर की जरूरत होगी, जो अपना समय लेगी। अलबत्ता उसका इस्तेमाल करने वालोंऔर उससे जुड़े इंजीनियरों और डेटा सेंटरों की संख्या हमारी प्रगति को बता रही है। एआई शोध कर्ताओं की संख्या भी तेजी से बढ़ी है। इसकी प्रदर्शनी में उद्योग जगत के लीडरों, स्टार्टअप्स, शैक्षणिक संस्थानों, सरकारी प्रतिनिधियों और युवाओं की जैसी भीड़ आई, उससे अनुमान लगाया जा सकता है कि उत्सुकता का स्तर क्या है। हाल के वर्षों में देश की व्यवस्था में डिजिटाइजेशन ने भी इस क्षेत्र में आगे बढ़ने के दरवाजे खोले हैं। इस बात को समझने की जरूरत है कि एआई केवल रोबोटिक्स या गेमिंग नहीं है। उसकी भूमिका चिकित्सकीय और वैज्ञानिक अनुसंधान में है, प्रशासनिक कार्यों में है, खेती–किसानी में है। भारत में 90 करोड़ से ज्यादा इंटरनेट उपयोगकर्ता हैं, जो प्रतिदिन औसतन सात घंटे ऑनलाइन बिताते हैं। एनवीडिया, ओपन एआई, एंथ्रॉपिक और गूगल जैसी कंपनियां भारत में पैर जमाने के लिए प्रतिस्पर्धा कर रही हैं।

पुत्तर वड्डा सोच, मां की एक सलाह ने बदल दी अक्षय कुमार की जिंदगी

बॉलीवुड के एक्टर अक्षय कुमार इन दिनों अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म श्भूत बंगलाश को लेकर सुर्खियों में हैं। लगभग 14 साल बाद निर्देशक प्रियदर्शन के साथ अक्षय की वापसी ने फैंस के बीच जबरदस्त उत्साह पैदा कर दिया है। श्भूत बंगलाश के प्रमोशन के दौरान अक्षय न केवल फिल्म की चर्चा कर रहे हैं, बल्कि अपने जीवन के उन अनछुए पहलुओं को भी साझा कर रहे हैं जिन्होंने उन्हें आज इस मुकाम पर पहुंचाया है। हाल ही में श्व्हील ऑफ फॉर्च्यूनश के एक एपिसोड के दौरान अक्षय कुमार काफी भावुक नजर आए। उन्होंने अपने शुरुआती संघर्ष के दिनों को याद करते हुए बताया कि जब उन्होंने अपना पहला घर खरीदने की योजना बनाई थी, तो उनका सपना बहुत छोटा था। अक्षय कुमार अपनी कमाई से एक साधारण 2–ठभ्ज फ्लैट खरीदना चाहते थे, जो उस समय उनके लिए एक बहुत बड़ी उपलब्धि थी। उन्हें लगा ता कि उनकी काबिलियन के हिसाब से इतना काफी है। लेकिन उनकी मां की सोच उनसे कहीं आगे थी। अक्षय ने बताया, जब मैंने मां से 2–ठभ्ज के बारे में बात की, तो उन्होंने बस इतना कहाकृपुत्तर, वड्डा सोच (बेटा, बड़ा सोच)। अक्षय उस वक्त सोच में पड़ गए कि दो कमरों से बड़ा और क्या सोचा जा सकता है, लेकिन मां के निरंतर प्रोत्साहन ने उनके लक्ष्य को बदल दिया। परिणाम यह हुआ कि उन्होंने सीधे 5–ठभ्ज घर के लिए मेहनत शुरू की और उसे हासिल भी किया। अक्षय ने अपनी मां की सीख को साझा करते हुए एक बहुत गहरी बात कही। उनके अनुसार, उनकी मां मानती थीं कि पहला घर हमेशा एक भावनात्मक निवेश होना चाहिए। अक्षय कहते हैं, मां कहती थीं कि पहला घर अपने लिए लेना होता है और भगवान किसी न किसी तरह उसके पैसे पूरे करवा ही देते हैं। इसके विपरीत, उनका मानना था कि निवेश के उद्देश्य से खरीदे गए अन्य घरों के लिए बहुत अधिक अनुशासन और कठिन परिश्रम की आवश्यकता होती है।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- शिवपति नगर, वि.ख.- नौगढ़, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **शिवपति नगर** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/SLWM/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/राज्य वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 21/04/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **शिवपति नगर** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 21/04/2026 को अपराहन 10 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **शिवपति नगर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **शिवपति नगर** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

श्रीमती अनार कली
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–शिवपति नगर
वि.ख. – नौगढ़

महेश्वर पाण्डेय
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–शिवपति नगर
वि.ख. – नौगढ़

कार्यालय : ग्राम पंचायत- चैनी, वि.ख.- पयागपुर, जनपद- बहराइच

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **चैनी** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 22/04/2026 को 11 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **चैनी** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 22/04/2026 को अपराहन 11 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **चैनी** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **चैनी** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

पंकज
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–चैनी
वि.ख. – पयागपुर

कार्यालय : ग्राम पंचायत- कलुई, वि.ख.- पयागपुर, जनपद- बहराइच

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **कलुई** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 25/04/2026 को 11 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **कलुई** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 25/04/2026 को अपराहन 11 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **कलुई** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **कलुई** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

आशोक कुमार
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–कलुई
वि.ख. – पयागपुर

पंकज
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–कलुई
वि.ख. – पयागपुर

कार्यालय : ग्राम पंचायत- नारायनपुर, वि.ख.- पयागपुर, जनपद- बहराइच

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **नारायनपुर** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 21/04/2026 को 12 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **नारायनपुर** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 21/04/2026 को अपराहन 12 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **नारायनपुर** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **नारायनपुर** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

सन्तोष कुमार
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–नारायनपुर
वि.ख. – पयागपुर

रवीन्द्र तिवारी
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–नारायनपुर
वि.ख. – पयागपुर

कार्यालय : ग्राम पंचायत- इमलियागंज, वि.ख.- पयागपुर, जनपद- बहराइच

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **इमलियागंज** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 22/04/2026 को 12 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **इमलियागंज** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 22/04/2026 को अपराहन 12 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **इमलियागंज** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **इमलियागंज** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

रामसमुझ वर्मा
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–इमलियागंज
वि.ख. – पयागपुर

वात्सल्य
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–इमलियागंज
वि.ख. – पयागपुर

कार्यालय : ग्राम पंचायत- सहसरावा, वि.ख.- पयागपुर, जनपद- बहराइच

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **सहसरावा** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाड़ू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 22/04/2026 को 11 बजे तक आपूर्ति हेतु निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **सहसरावा** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 22/04/2026 को अपराहन 11 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त :–** 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़ध्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **सहसरावा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **सहसरावा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

फूलचन्दर
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–सहसरावा
वि.ख. – पयागपुर

वात्सल्य
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–सहसरावा
वि.ख. – पयागपुर

आईजीआरएस पर निस्तारण में बड़ा मजाक, विभागों पर मनमानी रिपोर्ट लगाने का आरोप

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में मुख्य मंत्री के सपनों का पोर्टल (आईजीआरएस) एकीकृत शिकायत निवारण प्रणाली आमजन की शिकायतों का सबसे बड़ा प्लेटफार्म है। जनता का विश्वास है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ इस पोर्टल पर स्वयं नजर रखते हैं।हालांकि शिकायतों का निस्तारण भी हो रहा है लेकिन शिकायतों की अनदेखी की लंबी फेहरिस्त भी है। हाल ही में कुछ विभागों के द्वारा आईजीआरएस पर लगाई गई रिपोर्ट शिकायतकर्ता के लिए झटके के अलावा कुछ साबित नहीं हो रहा।जमीनी स्तर पर शिकायतों का निस्तारण न करके हवा–हवाई निस्तारण करके विभाग इतिश्री कर लेते हैं और शिकायत करने वाले के नजर में उच्च अधिकारियों पर सवाल खड़ा हो जाता है,यही नहीं निस्तारण को स्पेशल क्लोज करने से भी बड़ी खामियां सामने आ रही है,वहीं कुछ

जानकारों की मानें तो अब आईजीआरएस पोर्टल में भारी बदलाव की जरूरत है,वहीं निगरानी और फीडबैक को भी मजाक बनाया जा रहा है।हाल ही में जानकारी प्राप्त हुई नाम गुप्त रखने के शर्त पर शिकायतकर्ता ने बताया की उसने वन विभाग के एक कर्मचारी के विरुद्ध जांच सहित कई अन्य आरोप लगा कर आईजीआरएस पर शिकायत की थी लेकिन रिपोर्ट शिकायत सम्बन्धित लगाया ही नहीं गया।ऐसा ही एक मामला विद्युत विभाग का प्रकाश में आया एक अवर अभियंता के विरूद्ध आरोप की जांच के सम्बन्ध में शिकायत कर्ता ने आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत की थी लेकिन शिकायतकर्ता के अनुसार निस्तारण विभागीय कर्मचारी को बचाने के लिए मनमाफिक रिपोर्ट लगाकर कर दिया गया न तो शिकायततकर्ता से सम्पर्क किया न ही उसका पक्ष जानने की कोशिश की गई।इस तरह के रिपोर्ट लगाने वाले विभागों पर उच्च स्तरीय निगरानी की जरूरत है।जिससे सरकार के द्वारा आमजनता तक न्याय पहुंच सके और सही व स्थाई शिकायतों का निस्तारण जमीनी स्तर पर हो सके।यह तो सिर्फ बानगी मात्र है जो सरकार के नियमों की खुला मजाक उड़ा रहे हैं,अगर गुप्त जांच आईजीआरएस पर शिकायतों के रिपोर्ट पर हो जाये तो बड़े–बड़े जिम्मेदार अधिकारियों की पोल खुल जाएगी,जो सरकार के इस सपनों पर पानी फेर रहे हैं।

ताला जड़ा आंगनबाड़ी केंद्र, गंदगी में घिरा आरआरसी सेंटर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/चितौरा क्षेत्र। सरकार जहां एक ओर आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से बच्चों और महिलाओं के पोषण व शिक्षा को बेहतर बनाने के दावे कर रही है, वहीं जमीनी हकीकत इसके बिल्कुल उलट नजर आ रही है। चितौरा विकास खंड के दुलारपुर स्थित आंगनबाड़ी केंद्र की हालत बेहद दयनीय पाई गई। निरीक्षण के दौरान केंद्र पर ताला बंद मिला, जिससे व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े हो गए। केंद्र परिसर में गंदगी का अंबार लगा हुआ है। चारों ओर फैला कूड़ा–कचरा और उगी झाड़ियां बच्चों के स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बनी हुई हैं। भवन के पास बने गड्ढे और अधूरे निर्माण कार्य संबंधित विभाग की लापरवाही को उजागर कर रहे हैं। साफ–सफाई के अभाव में संक्रमण फैलने की आशंका भी बनी हुई है। इतना ही नहीं, लाखों रुपये की लागत से निर्मित आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) भी बदहाल स्थिति में पड़ा हुआ है। उचित रखरखाव के अभाव में यह केंद्र बेकार साबित हो रहा है, जिससे सरकारी धन के दुरुपयोग के आरोप भी लग रहे हैं। दीवारों पर स्वच्छता और अच्छी आदतों के संदेश जरूर लिखे गए हैं, लेकिन जमीनी स्तर पर इनका पालन कहीं नजर नहीं आता। शौचालय और जल निकासी जैसी मूलभूत सुविधाएं भी उपेक्षा का शिकार हैं। स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने कई बार संबंधित अधिकारियों को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई। इससे बच्चों और गर्भवती महिलाओं को मिलने वाली आवश्यक सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। ग्रामीणों ने प्रशासन से मांग की है कि जल्द से जल्द केंद्र को नियमित रूप से संचालित कराया जाए, साफ–सफाई और मरम्मत कराई जाए, तथा आरआरसी सेंटर को भी सुचारु रूप से चालू किया जाए, ताकि आमजन को इसका लाभ मिल सके। जब इस संदर्भ में सीडीपीओ चित्तौरा से बात किया गया तो उन्होंने बताया कि सुपरवाइजर को भेज कर जांच कराऊंगा।

दबंगई की हदें पार, खरीदारी करने गई महिला को चौराहे पर लाठी डंडे से पीटने का विडियो वायरल

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद के नवाबगंज में दबंग परिवार ने चौराहे पर मार्केटिंग करने पहुंची महिला को लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया,जिसका वीडियो वायरल होने के बाद हरकत में आई पुलिस ने तत्काल कार्यवाही शुरू कर दी है।लोगों से जानकारी के मुताबिक गुरुवार के दोपहर नवाबगंज थाना क्षेत्र के खड़ौवा गांव की रहने वाली इंद्रा देवी शादी के सामान का खरीदारी करने के लिए लगभग 11 बजे इलाके के नरवा चौराहा पर पहुंची थी,इसी दौरान पुरानी रंजिश को लेकर गांव के रहने वाले पांच लोगों ने मिलकर लाठी डंडे से पीटते हुए बालों को पकड़ कर घसीटा।जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो मे महिला एवं पुरुष मिलकर लाठी डंडे से एक महिला की पिटाई करते हुए नजर आ रहे हैं।इस

दौरान पत्नी का बचाव करने के लिए पति राधे भी सामने आता है,लेकिन उसे भी दबंग परिवार के दबंगई का शिकार होना पड़ता है।हैरानी की बात तो तब और हो जाती है,जब आसपास के दुकानदार भी मारपीट में हस्तक्षेप करने व बीच बचाव करने की जहमत नहीं उठाते हैं,हालांकि इसी दौरान मौके पर पहुंचे गांव के रहने वाले आलोक ने साहस का परिचय देते हुए मौके पर पुलिस बुलाने की धमकी देकर महिला को दबंगों से छुड़ा लेता है।लेकिन इससे पहले दबंगों ने महिला को लाठी डंडे ईंट से पीट कर सिर फोड़ ने की बात बताती है।मामले में पीड़ित महिला ने गांव के रहने वाले अंजु, शान्ती देवी, अनुज कलवार और मुन्ना के खिलाफ शिकायत पत्र देते हुए कहा है कि पुरानी रंजिश के चलते विपक्षी लोग उन्हें गाली देने लगे। विरोध करने पर आरोपियों ने लाठी–डंडों से हमला कर दिया,जिससे उनके शरीर पर कई जगह गंभीर चोटें आई हैं।घटना की करने पर नवाबगंज थाना प्रभारी अभय सिंह ने बताया कि पीड़िता के तहरीर पर दबंगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू कर दिया गया है,दबंगों को बख्शा नहीं जाएगा।खबर वायरल विडियो की पुष्टि नहीं करता यह जांच का विषय है।

कामर्शियल गैस सिलेंडर अब शादी, भागवत, मुंडन, भण्डारा आदि सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों हेतु करें आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोन्डा। गोन्डा जनपद में घरेलू एवं सार्वजनिक कार्यक्रमों में गैस सिलेंडर के सुव्यवस्थित उपयोग एवं पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से 15 अप्रैल, 2026 को कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने की, जिसमें सभी गैस एजेंसियों के प्रतिनिधि एवं एरिया मैनेजर उपस्थित रहे।बैठक के दौरान डीएम ने निर्देशित किया कि शादी, भागवत, मुंडन,भण्डारा आदि सामाजिक एवं पारिवारिक आयोजनों के लिए कामर्शियल गैस सिलेंडर प्राप्त करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित किया जाए। इसके अंतर्गत संबंधित व्यक्ति को निर्धारित आवेदन पत्र के साथ परिवार रजिस्टर

की नकल (कॉपी) संलग्न करनी होगी। साथ ही,आवेदन पत्र पर संबंधित विकास खण्ड के सहायक विकास अधिकारी पंचायत (एडीओ पंचायत) एवं ग्राम पंचायत से सत्यापन व हस्ताक्षर कराना अनिवार्य होगा। डीएम ने स्पष्ट किया कि पूर्ण रूप से सत्यापित आवेदन पत्र जिला पूर्ति अधिकारी कार्यालय में जमा किए जाएंगे, जिसके पश्चात आवेदन की समीक्षा कर ही कामर्शियल गैस सिलेंडर जारी किया जाएगा। इस व्यवस्था का उद्देश्य घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग को रोकना तथा जरूरतमंदों को समय पर गैस उपलब्ध कराना है।उन्होंने सभी गैस एजेंसियों को निर्देशित किया कि वे इस प्रक्रिया का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें तथा बिना अनुमोदन के किसी भी प्रकार का सिलेंडर वितरण न करें। साथ ही, आमजन को भी इस नई व्यवस्था के प्रति जागरूक करने पर जोर दिया गया।बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि वे अपने–अपने स्तर पर इस व्यवस्था का व्यापक प्रचार–प्रसार सुनिश्चित करें, ताकि आमजन को किसी प्रकार की असुविधा न हो।डीएम ने कहा कि प्रशासन पारदर्शिता एवं जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए कार्य कर रहा है।

तेल होते हुए भी पंप पर हंगामा, लोगों को नहीं मिल रहा पेट्रोल–डीजल

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच/हुजूरपुर। बहराइच जनपद के हुजूरपुर क्षेत्र से बड़ी खबर सामने आ पंप पर तेल उपलब्ध होने के बावजूद कर्मचारियों द्वारा पेट्रोल–डीजल नहीं दिया जा

रही है। यहां स्थित नर्सिंग कमलेश भारत पेट्रोल पंप पर पेट्रोल और डीजल को लेकर हंगामे की स्थिति बन गई। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रहा है। इससे सुबह से ही पेट्रोल पंप पर लंबी कतारें लगी हुई हैं और लोगों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। आरोप है कि पेट्रोल पंप कर्मचारी लोगों को गुमराह कर रात के समय चोरी–छिपे तेल की बिक्री कर रहे हैं। लोगों ने इसे खुला "ब्लैक मार्केटिंग" बताते हुए कड़ी कार्रवाई की मांग की है। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि मौके पर पुलिस भी मौजूद है, लेकिन इसके बावजूद आम लोगों को तेल नहीं मिल पा रहा है। हैरानी की बात यह है कि पूरे मामले से जिला पूर्ति अधिकारी (क.ृ.ढ) अब तक अनजान बताए जा रहे हैं, जिससे प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठ रहे हैं। फिलहाल क्षेत्र में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है और लोग जिम्मेदार अधिकारियों के हस्तक्षेप का इंतजार कर रहे हैं।

रिसिया पुलिस पर पीड़ित पक्ष को दबाने का आरोप, एसपी से न्याय की गुहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। थाना रिसिया गंभीर मामला सामने आया है,

जिसमें पीड़ित पक्ष ने पुलिस पर ही अनावश्यक दबाव बनाने का आरोप लगाया है। लीलावती पत्नी हरदेव, निवासी भक्तापुर थाना रिसिया, ने बताया कि उनकी नाबालिग पुत्री को गांव के ही आजाद खान द्वारा बहला–फुसलाकर भगा ले जाया गया। पीड़ित पक्ष के अनुसार, इस घटना में आरोपी के पिता और बहन का भी सहयोग रहा, लेकिन काफी प्रयासों के बाद क्षेत्र के भक्तापुर गांव में एक दर्ज हुए मुकदमे में अब तक केवल मुख्य आरोपी आजाद खान पुत्र शफी की ही गिरफ्तारी हो सकी है। अन्य नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं होने से पीड़ित परिवार में आक्रोश व्याप्त है। आरोप है कि मामले की विवेचना कर रहे दरोगा द्वारा पीड़ित लीलावती पर मुकदमा वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा है और पैसों की मांग भी की जा रही है। इस संबंध में पीड़िता की मां ने पुलिस अधीक्षक बहराइच को प्रार्थना पत्र देकर न्याय की गुहार लगाई है। इस प्रकार की घटना को क्षेत्र में गंभीर और निंदनीय माना जा रहा है। स्थानीय लोगों ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बाबा साहब के योगदान पर सगोष्ठी में विमर्श

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती। शुक्रवार को भारतीय जनता पार्टी द्वारा डॉ. भीमराव

अम्बेडकर सम्मान अभियान की कड़ी में महादेवा विधानसभा संगोष्ठी का आयोजन कार्यक्रम संयोजक और जिला महामंत्री एवं ब्लॉक प्रमुख साऊंघाट के संयोजन में बनकटी विकास खण्ड के सभागार में सम्पन्न हुआ। मुख्य वक्ता पूर्व जिला अध्यक्ष एवं रामनगर के ब्लॉक प्रमुख यशकांत सिंह ने बाबा साहब के विचारो पर प्रकाश डाला। उन्होने कार्यकर्ताओं से बाबा साहेब के विचारों को जन–जन तक पहुंचाने और सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का आह्वान किया। भाजपा जिला महामंत्री और कार्यक्रम संयोजक अभिषेक कुमार ने बाबा साहब के व्यक्तित्व–कृतित्व पर चर्चा करते हुए राष्ट्र निर्माण में उनके योगदान पर प्रकाश डालते हुये कहा कि बाबा साहब के अधूरे सपने को पूरा करते हुए समतामूलक समाज की स्थापना को व्यवहारिक रूप देना होगा। यह हमारा लक्ष्य होना चाहिये। कार्यकम की अध्यक्षता करते हुये भाजपा मण्डल अध्यक्ष अंकित पाण्डेय ने बाबा साहब के योगदान पर विस्तार से प्रकाश डाला। कहा कि डॉ. आंबेडकर का जीवन एक संघर्ष का इतिहास रहा है। आजादी से पहले देश में व्याप्त ऊंच–नीच के भेदभाव, छुआछूत जैसी कुरीतियों का खात्मा डॉ. आंबेडकर के निर्देशन में बनाए गए संविधान ने किया। उन्होंने कहा कि कभी भी भेद–भाव होते देखें तो उसे रोकें। किसी के साथ अन्याय न होने दें। इस अवसर पर जिला मंत्री भाजपा राजेंद्र राजभर, रविचंद्र अंकित पाण्डेय, प्रधान संघ अध्यक्ष राजू मौर्या , मंडल अध्यक्ष कुदरहा दुर्गेश अग्रहरि , प्रधान मोहनाखोर श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता, काशी प्रसाद गौतम, दिवाकर कुमार, राम भरत, सुनील पाण्डेय, बृजेश यादव के साथ ही पार्टी के कार्यकर्ता और मातृशक्ति की गरिमामयी उपस्थिति रही।

बहराइच में राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद की बैठक संपन्न, पत्रकारों की सुरक्षा व अधिकारों पर जोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। राष्ट्रीय पत्रकार सुरक्षा परिषद इकाई बहराइच की एक महत्वपूर्ण बैठक आसाम चौराहा स्थित फातिमा हॉस्पिटल के बगल में जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव के दिशा–निर्देशन में सकुशल संपन्न हुई।

बैठक में संगठन विस्तार, पत्रकारों की समस्याएं, सुरक्षा, मानदेय, फर्जी मुकदमे तथा प्रशासनिक सहयोग जैसे अहम मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई। वक्ताओं ने पत्रकारों के समक्ष आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर गंभीर विचार–विमर्श किया। जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश यादव ने कहा कि पत्रकारों को अपने अधिकारों, सुरक्षा और सम्मान के लिए एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने और पत्रकारों के हितों की रक्षा के लिए सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। इस अवसर पर शास्त्र तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, धनीराम यादव, मनोज पाल, रुद्र नारायण तिवारी सहित अन्य पत्रकार साथी उपस्थित रहे।

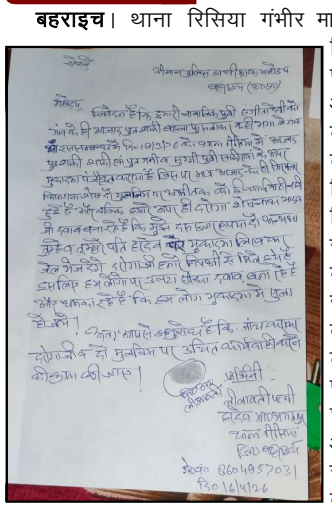

बहराइच में सनसनीखेज हत्या : देवर ने भाभी को कुल्हाड़ी से काटकर उतारा मौत के घाट

दैनिक बुद्ध का संदेश

बहराइच। जिले के मुर्तिहा थाना क्षेत्र अंतर्गत धर्मापुर गांव में एक दिल दहला देने वाली हत्या की वारदात सामने आई है। यहां एक देवर ने अपनी ही भाभी की बेरहमी से हत्या कर दी, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। बताया जा रहा है कि आरोपी देवर ने पहले भाभी के हाथ–पैर रस्सी से बांध दिए

और फिर कुल्हाड़ी से गर्दन, नाक और कान पर ताबड़तोड़ वार कर उसे मौत के घाट उतार दिया। वारदात की क्रूरता ने ग्रामीणों को झकझोर कर रख दिया है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, मृतका के पति की पहले ही सड़क दुर्घटना में मौत हो चुकी थी। इसके बाद मिले क्लेम के पैसों को लेकर पारिवारिक विवाद चल रहा था। इसी विवाद के चलते देवर ने इस खौफनाक वारदात को अंजाम दिया। घटना को अंजाम देने के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। वहीं, आरोपी की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही हैं। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम को लेकर विधानसभा स्तरीय सम्मेलन सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नारी शक्ति बंधन अधिनियम के तहत दुद्धी विधानसभा स्तरीय सम्मेलन का आयोजन खंड विकास कार्यालय दुद्धी के सभागार कक्ष आयोजित की गई इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख रंजनामणि चौधरी एवं विशिष्ट अतिथि जिला महामंत्री शारदा खरवार जिला मंत्री विधानसभा संयोजक सुषमा सिंह गौड उपस्थित रहे, कार्यक्रम की शुरुआत पंडित दीनदयाल उपाध्याय एवं श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र प्रतिमा पर माल्यार्पण कर शुभारंभ किया गया , कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शारदा खरवार जिला महामंत्री ने बताया कि देश के प्रधानमंत्री के नेतृत्व में महिलाओं का सम्मान महिलाओं के आरक्षण योजना के बारे में बताया गया तथा नारी शक्ति वंदन अधिनियम (महिला आरक्षण कानून) के कार्यान्वयन को चिह्नित करने के लिए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने नई दिल्ली में 13 अप्रैल 2026 को एक विशेष सम्मेलन को संबोधित किया। यह कानून लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए सुरक्षित सीटें आरक्षित करता है, जिसे ऐतिहासिक बताते हुए 2029 तक लागू करने की प्रतिबद्धता जताई गई है। नारी शक्ति वंदन सम्मेलन/कार्यक्रम की मुख्य बातें यह है कि कानून संसद और विधानसभाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाकर निर्णय लेने की प्रक्रिया को समावेशी होगा एवं 2029 तक इसे पूरी तरह लागू करने का लक्ष्य रखा गया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यातिथि रंजना चौधरी ने कहां कि महिलाओं को 33 :आरक्षण नारी शक्ति वंदन अधिनियम के तहत देने हेतु लागू करने पर विचार किया जा रहा है,साथ ही साथ देश में महिलाओं को हर प्रकार की सुविधा भाजपा सरकार द्वारा उपलब्ध कराई जा रहे हैं, जैसे उज्ज्वला योजना प्रधानमंत्री आवास योजना, खाद्यान्न योजना, मातृ वंदना योजना, आदि कई योजनाओं से महिलाओं का सम्मान बढ़ाते हुए उन्हें सुरक्षा एवं आत्मनिर्भर भी बनाने की पहल मोदी सरकार का संकल्प है,देश की आधी आबादी को सशक्त, व शिक्षा ,स्वास्थ्य, सुरक्षा और आर्थिक भागीदारी से सशक्त बनाते हुए नारी शक्ति का मान बढ़ाया है, महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने के लिए जागरूक करने का कार्य सरकार द्वारा निरंतर किया जा रहा है, महिला सुरक्षा को लेकर कई नए कानून भी लागू किए गए हैं, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के अंतर्गत स्थानीय निकायों में पहले से ही 14 लाख से अधिक महिलाएं काम कर रही हैं, और यह अधिनियम इसे उच्च स्तर तक ले जाएगा। देश भर में इस फैसले का जश्न महिलाओं के द्वारा मनाया जा रहा है, वह अपने अधिकारों को लेकर उत्साह व्यक्त कर रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम का उद्देश्य महिलाओं को देश की विकास यात्रा में समान भागीदार बनाना है,जो राष्ट्र निर्माण की सबसे महत्वपूर्ण शक्ति हैं। इस मौके पर नगर पंचायत अध्यक्ष कमलेश मोहन , मीरा सिंह गौड़, मनोज सिंह बबलू जिला मंत्री, दीपक शाह मंडल अध्यक्ष वीरेंद्र चौधरी , पीयूष कसेरा सहित सैकड़ो महिलाएं मौजूद रही।

ननिहाल आए 4 वर्षीय मासूम की कुएं में गिरकर मौत

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। शक्तिनगर थाना के बीना चौकी क्षेत्र अंतर्गत गुरुवार देर रात चंदुआर गांव में ननिहाल आए 4 वर्षीय मासूम की कुएँ में गिरकर मौत होने से परिजनों में मातम छा गया। आनन फानन में लोगों ने अटल अस्पताल में मासूम को भर्ती कराया। जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पहुंचे बीना चौकी प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने मासूम के शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दिया है। पुलिस और परिजनों के मुताबिक 4 वर्षीय रियांशु पुत्र रोहतास अपनी माता सुनीता देवी के साथ बीते 10 अप्रैल को उमरैन,इटावा से बीना क्षेत्र के चंदुवार गांव में अपने ननिहाल के यहां शादी समारोह में आया हुआ था। जहाँ 15 अप्रैल कों मामा कें लड़की की शादी थी। 16 अप्रैल को लड़की की विदाई समारोह के बाद शाम को परिवारजन घर पर मौजूद थे कि बच्चा अचानक बाहर निकलकर खेलने लगा। कुछ देर बाद जब आसपास बच्चा नहीं दिख तो लोगों को फिक्र हुई और खोजबीन चालू हो गई। बताया कि पड़ोस में रहने वाले एक महिला ने कुएं कें पास किसी काम से गई हुई थी कि अचानक अंदर देखा तो कोई गिरा हुआ देखने की सूचना आसपास लोगों को दी। मासूम के मामा ने कुएं में छलांग लगाकर मासूम रियांशु को बाहर निकाल अटल अस्पताल ले गए। जहां बच्चे की मौत हो चुकी थी। पुलिस ने मासूम के शव का पंचनामा कर पीएम के लिए दुद्धि भेज जांच विवेचना में जुट गई है।

श्मशान घाट, और बर्मी कंपोस्ट निर्माण का किया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर ब्लॉक के ग्राम पंचायत रंग टोला में नवनिर्मित श्मशान घाट और किरबिल में बर्मी कंपोस्ट निर्माण का सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी राजेश कुमार सिंह, टेक्निकल सुमन ने स्थानीय निरीक्षण किया और निर्माण में गुणवत्ता की सराहना की।सहायक डीपीआर ओ श्री सिंह ने बताया कि रनटोला में नवनिर्मित श्मशान घाट उच्च गुणवत्ता से निर्मित है साथ ही यह जिले के लिए उदाहरण बन सकता है।वही किरबिल में पंचायत ने स्वावलंबन की तरफ कदम रखा है और 15 हजार का रुपए का बर्मी कंपोस्ट खाद बेचा है आने वाले समय में पंचायत की आय और बढ़ने की उम्मीद है। श्री सिंह ने कहा कि पंचायत अपनी आय बढ़ाए और स्वावलंबन की कदम रखे तो पंचायतें मजबूत होंगी।यह पंचायत राज का सपना है जो यहां सच होता दिख रहा है। उन्होंने कहा कि फलदार पौध रोपण कर,कंपोस्ट खाद,बर्मी कंपोस्ट, कचरा ,प्लास्टिक प्रबंधन से भी आय बढ़ सकती है। उन्होंने बताया कि निरीक्षण में कोई कमी नहीं मिली। मौके पर एडीओ पंचायत अजय सिंह,ग्राम प्रधान दिनेश जायसवाल, पूर्व प्रधान बचा प्रजापति, आदि उपस्थित रहे।

ओबरा पुलिस ने दुष्कर्म के एक आरोपी को किया गिरफ्तार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। ओबरा पुलिस ने थाना प्रभारी सदानंद राय के नेतृत्व में काफी समय से फरार चल रहे दुष्कर्म के एक आरोपी को गुरुवार की देर रात थाना सैनी जनपद कौशाम्बी के सामने ओबर ब्रिज हाइबे कानपुर रोड से दिल्ली भागते समय गिरफ्तार कर चालान कर दिया। घटना की जानकारी देते हुए थाना प्रभारी ने बताया कि अभियुक्त 31वर्षीय राज जायसवाल पुत्र बेचू जायसवाल निवासी मेजा रोड सिरसा, प्रयागराज ने एक पीड़िता के निजी फोटो एवं वीडियो अपने पास रखकर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (व्हाट्सएप एवं फेसबुक) के माध्यम से उसे तथा उसके परिजनों/रिश्तेदारों को भेजकर वायरल किया है। विरोध करने पर अभियुक्त द्वारा पुनः वायरल करने की धमकी दी जा रही थी, जिससे प्रार्थिनी अत्यंत मानसिक रूप से परेशान थी। पीड़िता के प्रार्थना पत्र पर ओबरा पुलिस ने विधिक कार्यवाही करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया। गिरफ्तार करने वाली टीम में प्र0नि0 ओबरा सदानन्द राय, हे0का0 संतोष कुमार पटेल, का0 अरुण कुमार यादव रहे।

कुदरी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर लटक रहा है ताला

मरीज परेशान ,25 किमी दूर इलाज कराने पर हो रहे है मजबूर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। म्योरपुर विकास खंड के ग्राम पंचायत कुदरी मे स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर शुक्रवार को ताला लटकता मिला, रोगी चिकित्सक व चिकित्साकर्मियों की प्रतीक्षा कर उबने के बाद विवश हो झोला छाप चिकित्सक से उपचार करा अपने घर वापस लौटे जिससे उनमे काफी आक्रोश है नवनिर्मित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र से क्षेत्रीय ग्रामीणों मे काफी उत्साह था कि उन्हें अच्छी चिकित्सा सुलभ हो सकेगी, लोगो को झोलाछाप चिकित्सको से छुटकारा मिलेगा, ग्रामीणों की इस सोच पर स्वास्थ्य विभाग पानी फेर रहा है, शुक्रवार को गेट पर ताला लटकता दिखा ग्रामीण निराश हो वापस लौट गए, ग्रामीण शिवकुमार, सौरभ, मनीष, प्रेम शंकर ने बताया कि यहां केवल भवन है चीकित्सक है ही नहीं एक फरमासिस्ट की नियुक्ति है, ग्रामीणों को झोलाछाप या पच्चीस कि मी दूर म्योरपुर जाने पर ही उपचार सुलभ हो पाता है, इस सम्बन्ध मे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के अधीक्षक डाक्टर पी एन सिंह ने बताया कि प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कुदरी पर चार माह पूर्व एक चिकित्सक नियुक्त थे जो स्थानंतरण हो जाने के कारण चले गए, अब तक दूसरे चिकित्सक की नियुक्ति नहीं हुई है, एक फरमासिस्ट नियुक्त है जो इन दिनों प्रतिकर अवकाश पर है, ग्रामीणों ने मुख्य चिकित्साधिकारी से मांग की है कि शीघ्र चिकित्सक की नियुक्ति की जाय ताकि निर्धन ग्रामीणों आदिवासियों को चिकित्सा सुविधा सुलभ हो सके।

'एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण सहायता योजना में करे आवेदन'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र विनोद कुमार चौधरी ने अवगत कराया है कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक जनपद एक उत्पाद वित्त पोषण हेतु सहायता योजना में वित्तीय वर्ष 2026–27 के अन्तर्गत सोनभद्र जनपद में कालीन के हस्तशिल्पियों/ उद्यमियों व कारीगरो को इकाई स्थापना हेतु लक्ष्य का आवंटन किया गया है। इस योजनान्तर्गत कालीन के उद्योग, सेवा एवं व्यवसाय क्षेत्र में इकाई स्थापित करने वाले उद्यमियों को ऋण के सापेक्ष मार्जिन मनी सहायता/सब्सिडी प्रदान की जायेगी। कालीन निर्माण/ व्यवसाय/सेवा क्षेत्र की इकाई स्थापित करने के इच्छुक अभ्यर्थी आनलाईन आवेदन कर सकते है। आनलाईन आवेदन पत्र वेबसाइट पर 14.04.2026 से अपलोड कर सकते है। जिसकी हार्ड कापी कार्यालय उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केन्द्र, सोनभद्र में जमा करें। विस्तृत जानकारी के लिये किसी भी कार्यदिवस में श्री कौशल कुमार कनिष्ठ सहायक से मो० न0 6388461328 पर सम्पर्क कर सकते है। पात्रता शौक्षिक योग्यता की कोई बाध्यता नही है। लाभ केवल कालीन के उद्यमियों को ही प्राप्त होगा। आवेदक या इकाई किसी भी बैंक का चूककर्ता नहीं हो। आवेदनकर्ता की आयु न्यूनतम 18 वर्ष होनी चाहिए। आवेदनकर्ता जनपद का स्थाई निवासी होना चाहिए। मोबाईल नं० सही–सही होना चाहिए।आवेदनकर्ता को इस आशय से कि उसने एवं उसके परिवार के किसी सदस्य ने पूर्व में किसी अन्य स्वरोजगार योजना का लाभ नही लिया हो। नोटरी शपथ पत्र 10 रू0 के स्टाम्प पर देना होगा। अधिक जानकारी के लिए किसी भी कार्यदिवस में कार्यालय जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र, सोनभद्र से सम्पर्क कर सकते है।

मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत निःशुल्क कोचिंग के लिए करे आवेदन

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जिला समाज कल्याण अधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह भदौरिया ने अवगत कराया है कि समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत निःशुल्क कोचिंग सामुदायिक भवन, टोल प्लाजा के पास लोढ़ी, रावट्सगंज, सोनभद्र में संचालित है। शैक्षणिक सत्र 2026–27 में नये बैच का प्रारम्भ 01.07.2026 से किया जायेगा। निःशुल्क कोचिंग द्वारा जनपद के मेधावी छात्र–छात्राओं प्रतियोगी परीक्षाओं जैसे यू०पी०एस०सी०/यू०पी० पी०एस०सी० /एन०डी०ए०/ सी०डी०एस०/नीट/जेईई एवं एक दिवसीय प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी विद्वान विषय–विशेषज्ञ के माध्यम से कराया जायेगा। उक्त हेतु छात्र–छात्राओं का चयन प्रवेश परीक्षा / मेरिट के आधार पर काउसलिंग के माध्यम से किया जाना है। मुख्यमंत्री अभ्युदय योजनान्तर्गत निःशुल्क कोचिंग में प्रवेश हेतु इच्छुक छात्र–छात्राएं ऑनलाईन https:@@forms&gle @69M4WPKHzUfNACt68 पोर्टल के माध्यम से) करते हुए ऑनलाइन आवेदन पत्र एवं सभी आवश्यक संलग्नको /दस्तावेजों की छायाप्रति मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग केन्द्र सामुदायिक भवन, टोल प्लाजा के पास लोढ़ी, रावट्सगंज, अथवा जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय, विकास भवन कमरा नं0 05 लोड़ी, सोनभद्र मे जमा करें। उक्त के अतिरिक्त ऑफलाईन आवेदन पत्र भी मुख्यमंत्री अभ्युदय कोचिंग केन्द अथवा जिला समाज कल्याण अधिकारी कार्यालय से छात्र/छात्राएं प्राप्त कर आवेदन पत्र जमा करने की सुविधा प्रदान की गयी है। आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि –31.05.2026 तक निर्धारित की गयी है। आवेदन के सम्बन्ध में अधिक जानकारी के लिए मोबाइल नं0 7905343407/7355562712 पर सम्पर्क करें।

रात्रि क्रिकेट टूर्नामेंट में शिवम सिंह बने मैन अश्वफ द मैच, कई टीमों ने दर्ज की जीत

दैनिक बुद्ध का संदेश

करमा/सोनभद्र। मारुतिनंदन स्पोर्टिंग क्लब मदैनिया के तत्वावधान में आयोजित रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट के छठवें दिन गुरुवार को क्वार्टर फाइनल मुकाबलों में रोमांचक मैच खेले गए। पहले मुकाबले में पड़रवा मिर्जापुर ने टॉस जीतकर 8 ओवर में 4 विकेट खोकर 86 रन बनाए। जवाब में रेनबो स्कूल करमा की टीम ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 5 ओवर में 87 रन बनाकर जीत दर्ज की। इस मैच में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए शिवम सिंह को मैन ऑफ द मैच चुना गया। दूसरे मैच में खैरवा ने 8 ओवर में 7 विकेट पर 76 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी बोरहवां बी की टीम 8 ओवर में 6 विकेट पर 48 रन ही बना सकी, जिससे खैरवा ने मुकाबला जीत लिया। कैलाश को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार मिला। तीसरे मुकाबले में पगिया ने 8 ओवर में 57 रन बनाए। जवाब में तिलया की टीम ने 5 ओवर में ही लक्ष्य हासिल कर लिया। प्रिंस को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। चौथे मैच में खोराडीह ने 8 ओवर में 92 रन बनाए। रॉबर्ट्सगंज की टीम 79 रन पर सिमट गई और खोराडीह ने जीत दर्ज की। इस मैच में अरविंद को मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार दिया गया। मैचों में अंपायर की भूमिका सूर्य प्रकाश तिवारी और दिलीप कुमार तिवारी ने निभाई, जबकि कमेंट्री सुरेश कुमार ने की। आयोजक अवनीश कुमार उर्फ गिरीश ने अतिथियों का सम्मान कर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। कार्यक्रम का संचालन ब्रह्मानंद त्रिपाठी ने किया।

अक्षय तृतीया पर बाल विवाह रोकथाम हेतु बनी कार्ययोजना जारी किये गये टोल फ्री नम्बर'

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। प्रोबेशन अधिकारी इन्द्रावती की अध्यक्षता में प्रोबेशन कार्यालय में मिशन शक्ति–5 के द्वितीय चरण के अंतर्गत अक्षय तृतीया के अवसर पर संभावित बाल विवाह की रोकथाम के लिए एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में संबंधित विभागों के अधिकारियों के साथ समन्वय स्थापित करते अक्षय तृतीया पर बाल विवाह पर रोक थाम हेतु कार्य योजना बनायी गयी बाल विवाह की घटना को समय रहते रोका जा सके इस बिन्दु पर विशेष चर्चा की गयी, बाल विवाह की रोकथाम के लिए विकास भवन, कक्ष संख्या–64 में एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है, जो 24 घंटे सक्रिय रहेगा। कंट्रोल रूम के माध्यम से प्राप्त सूचनाओं पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। आमजन से अपील की गई है कि यदि कहीं भी बाल विवाह की सूचना प्राप्त हो, तो तत्काल संबंधित हेल्पलाइन नंबरों पर सूचित करें। सूचना देने वाले व्यक्ति की पहचान पूरी तरह गोपनीय रखी जाएगी। सूचना हेतु महत्वपूर्ण नंबर चाइल्ड लाइन 1098, कंट्रोल रूम 9305036929, कंट्रोल रूम, 9450717818, कंट्रोल रूम 8318359154 पर सूचना दे सकते है गौरतलब है कि अक्षय तृतीया के अवसर पर बाल विवाह के मामलों में वृद्धि की संभावना रहती है, जिसे ध्यान में रखते हुए प्रशासन द्वारा विशेष सतर्कता बरती जा रही है। आमजन से अनुरोध है कि 18 वर्ष से कम आयु की बालिका अथवा 21 वर्ष से कम आयु के बालक के विवाह की सूचना तत्काल दें और इस सामाजिक कुरीति को समाप्त करने में प्रशासन का सहयोग करें।

कुख्यात कफ सिरप तस्कर शुभम जायसवाल के नेटवर्क पर बड़ा प्रहार

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद में कोडीन युक्त कफ सिरप की अवैध तस्करी में संलिप्त अभियुक्तों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करते हुए 'पिट एन.डी.पी.एस. एक्ट' के अंतर्गत कठोर कार्रवाई की गई है। उक्त अधिनियम के तहत ऐसे अभियुक्तों को अवैध मादक पदार्थों की तस्करी से निवारित करने हेतु 'एक वर्ष तक निरुद्ध' रखने का प्रावधान है। उक्त क्रम में कुख्यात तस्कर 'शुभम जायसवाल' के आपराधिक नेटवर्क के विरुद्ध चल रही सतत कार्यवाही के तहत उसके पिता 'भोला प्रसाद पुत्र स्व0 राम दयाल निवासी ए–9/24श्र, कायस्थ टोला प्रहलादघाट, थाना आदमपुर, जनपद वाराणसी' के विरुद्ध 'एक वर्ष' की निरुद्धि का आदेश पारित किया गया है। पुलिस अधीक्षक ' अभिषेक वर्मा' द्वारा प्रेषित प्रस्ताव पर जिला मजिस्ट्रेट सोनभद्र के माध्यम से शासन के निरोधक प्राधिकारी द्वारा निरोधादेश ' 15.04.2026 से एक वर्ष' के लिए प्रभावी किया गया है। अभियुक्त 'भोला प्रसाद' मादक एवं मनोत्तेजक पदार्थ कोडीन युक्त कफ सिरप के अवैध डायवर्जन एवं काले बाजार में बिक्री का अभ्यस्त अपराधी है। जांच में पाया गया कि फर्जी फर्मों के माध्यम से फर्जी बिलिंग कर बड़े पैमाने पर कोडीन युक्त कफ सिरप की तस्करी की जा रही थी, जो एक संगठित आपराधिक नेटवर्क के माध्यम से देश के बाहर तक संचालित थी। उक्त निरोधादेश के तहत अभियुक्त 'भोला प्रसाद को आगामी एक वर्ष तक जिला कारागार में निरुद्ध' रखा जाएगा। यह कार्यवाही उसके विरुद्ध पंजीकृत अभियोगों की वैधानिक कार्रवाई के अतिरिक्त की गई है। उल्लेखनीय है कि अभियुक्त शुभम जायसवाल द्वारा अपने पिता भोला प्रसाद की प्रोपराइटरशिप में फर्जी फर्म 'ष्शैली ट्रेडर्सष्' के माध्यम से 'एबाट' कंपनी से भारी मात्रा में कोडीन युक्त फेन्साडिल कफ सिरप प्राप्त कर उसे नशाखोरी हेतु अवैध रूप से 'बांग्लादेश' तक डायवर्ट किया गया, जिससे अवैध रूप से भारी आर्थिक लाभ अर्जित किया गया।

नारी शक्ति बंदन अधिनियम ऐतिहासिक व दूरगामी प्रभाव वाला कानून : दीप्ति सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के सम्बन्ध में प्रेस वार्ता आज कलेक्ट्रेट सभागार में डॉक्टर दीप्ती सिंह स्त्री रोग विशेषज्ञ प्रोफेसर मेडिकल कालेज, डॉक्टर गीता जायसवाल स्त्री रोग विशेषज्ञ मेडिकल कालेज की अध्यक्षता में की गयी, इस अवसर पर डॉक्टर दीप्ती सिंह ने उपस्थित प्रेस प्रतिनिधियों को सम्बोधित करते हुए कहा कि भारत सरकार द्वारा पारित नारी शक्ति वंदन अधिनियम देश के लोकतांत्रिक इतिहास में एक ऐतिहासिक और दूरगामी प्रभाव वाला कानून है। इस अधिनियम का उद्देश्य विधायी निकायों में महिलाओं की भागीदारी को सशक्त बनाना तथा नीति निर्माण में उनकी सक्रिय और निर्णायक भूमिका सुनिश्चित करना है। इस अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों के अंतर्गत

लोकसभा, राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत (एक–तिहाई) सीटों का आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। यह प्रावधान देश की राजनीति में लैंगिक समानता को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। इसके क्रियान्वयन के लिए जनगणना की प्रक्रिया पूर्ण होना तथा उसके आधार पर परिसीमन (निर्वाचन क्षेत्रों का पुनर्गठन) किया जाना आवश्यक है। इन दोनों प्रक्रियाओं के पूर्ण होने के बाद ही महिला आरक्षण व्यवस्था प्रभावी रूप से लागू की जाएगी। अधिनियम में यह भी प्रावधान किया गया है कि महिलाओं के लिए आरक्षण प्रारंभिक रूप से 15 वर्षों के लिए लागू रहेगा, जिसे आवश्यकता पड़ने पर संसद द्वारा आगे बढ़ाया जा सकता है। साथ ही, आरक्षित सीटों का रोटेशन प्रत्येक परिसीमन के बाद किया जाएगा, जिससे विभिन्न क्षेत्रों की महिलाओं को प्रतिनिधित्व का अवसर मिल सके। इसके अतिरिक्त, अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति वर्गों के लिए आरक्षित सीटों में से भी एक–तिहाई सीटें संबंधित वर्ग की महिलाओं के लिए सुरक्षित रखी जाएंगी। वर्तमान में संसद में महिलाओं की भागीदारी लगभग 15 प्रतिशत के आसपास है, जो इस अधिनियम के लागू होने के पश्चात बढ़कर उल्लेखनीय रूप से अधिक हो जाएगी। यह अधिनियम न केवल महिलाओं को राजनीतिक रूप से सशक्त करेगा, बल्कि देश के समग्र विकास और समावेशी शासन व्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगा। इस अवसर पर डॉक्टर गीता जायसवाल ने कहा कि यह कानून महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में एक मील का पत्थर साबित होगा और भारत को एक अधिक समावेशी एवं समानतामूलक लोकतंत्र की ओर अग्रसर करेगा। इस मौके पर जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, डी0सी0 एन0आर0 एल0एम सरिता सिंह, दिव्यांगजन सशक्तिकरण अधिकारी विद्या देवी, प्रभारी प्रोबेशन अधिकारी इन्द्रावती देवी, दीपिका सिंह, साधना मिश्रा ने भी अपने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के सम्बन्ध में विचार व्यक्त की, सहित प्रोबेशन विभाग की महिला कार्मिक उपस्थित रही।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक:– श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित। सम्पादक– राजेश कुमार शर्मा
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458 9415163471, 9453824459 दैनिक बुद्ध का संदेश 9795951917,9415163471 @budhakasandesh budhakasandeshnews@gmail.com www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

प्रकाश राज ने की रामायण की विवादित व्याख्या, राम–लक्ष्मण को बताया रावण के फल चुराने वाला

बॉलीवुड और साउथ फिल्मों के एक्टर प्रकाश राज अपने बेबाक बयानों के लिए जाने जाते हैं। अपने बयानों की वजह से वह अक्सर विवादों में भी रहते हैं। इस बार प्रकाश राज ने श्रामायणश को लेकर एक ऐसी कहानी सुनाई है, जिसके बाद उनकी जमकर आलोचना हो रही है।

इस वजह से प्रकाश राज बड़ी कानूनी मुसीबत में भी फंस गए हैं। उन्होंने एक इवेंट में श्रामायणश का जिक्र करते हुए बताया कि राम–लक्ष्मण ने रावण के बगीचे से फल चुराया था। उनके द्वारा दी गई श्व्यंग्यात्मकश व्याख्या ने हिंदू धर्म के अनुयायियों की भावनाओं को आहत किया, जिसके चलते उनके खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज किया गया है।

सोशल मीडिया पर प्रकाश राज का एक वीडियो वायरल हो रहा है। वीडियो में वह केरल के एक साहित्यिक कार्यक्रम को संबोधित करते नजर आ रहे हैं। इस दौरान उन्होंने रामायण का एक नया और विवादास्पद दृष्टिकोण पेश किया। उन्होंने भगवान राम को एक श्उत्तर भारतीयश बताया जो दक्षिण (रावण का क्षेत्र) आए थे। प्रकाश राज कहते हैं, राम, लक्ष्मण और सीता साउथ की तरफ आ रहे। तभी लक्ष्मण ने कहा– श्राम!श हम कितने भाग्यशाली है। वो देखिए जंगल। राम कहते हैं– नहीं, ये किसी का खेत है। लक्ष्मण कहते हैं– वहां फल है। क्या हम उन्हें खा सकते हैं? राम बोले– हां। लक्ष्मण ने पूछा– पर क्या ये चोरी नहीं होगी? राम ने कहा, नहीं! अगर तुम भूखे हो, तो खा सकते हो। जब वो फल खाने लगे तब शूर्पणका और रावण आ गए। शूर्पणखा काफी गुस्सा हो गई, उसने कहा– भैया, ये लोग फल खा रहे हैं। इस पर रावण ने कहा–वो लोग भूखे हैं, उन्हें खाने दो, हम बाद में इनसे बात करेंगे।

जब उन्होंने खा लिया तब राम ने लक्ष्मण से कहा– अरे लकी! राम लक्ष्मण को लकी कहते हैं... उन्होंने कहा कि कुछ आदिवासी (रावण–शूर्पणखा) आए हैं। इर पर रावण ने कहा– नहीं, हम ही मालिक है। राम ने कहा हमने फ्रूट्स खाए हैं तो हम पैसे भी देंगे। इस पर शूर्पणखा ने कैलकुलेट किया और कहा– 2000 डॉलर्स जीएसटी के साथ।

राम–लक्ष्मण ने कहा कि नहीं, हमारे पास पैसे नहीं हैं। तो रावण ने उन्हें 20 प्रतिशत का डिस्काउंट दिया। लेकिन उन्होंने कहा कि नहीं, हमारे पास पैसे नहीं हैं। इसपर रावण ने कहा– अगर डिस्काउंट देने के बाद भी आपके पास पैसे नहीं हैं तो आप यहां टूरिस्ट नहीं जो यहां फल की खोज में आए थे। और अब जब फल खा लिए, तो उसके बीज को प्लांट करो, पेड़ बनाओ और वापस जाओ।

प्रकाश राज का वीडियो वायरल होने के बाद उन्हें जमकर ट्रोल किया जा रहा है और उन पर उत्तर–दक्षिण के बीच दरार पैदा करने का आरोप लगाया गया है। कई लोग उन्हें एसएस राजामौली की फिल्म श्वाराणसीश से हटाने की मांग कर रहे हैं।

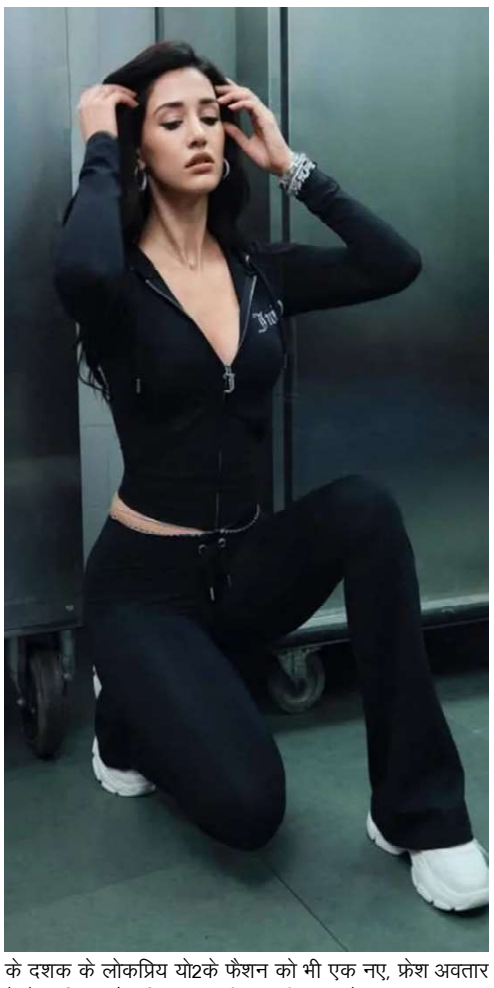

संजय दत्त स्टारर आखिरी सवाल इस दिन सिनेमाघरों में देगी दस्तक, मेकर्स ने की घोषणा

संजय दत्त स्टारर श्आखिरी सवालश वाकई उन सबसे प्रतीक्षित फिल्मों में से एक है जिसका हर कोई बेसब्री से इंतज़ार कर रहा है। अपनी अनाउंसमेंट के साथ हलचल

मचाने के बाद, मेकर्स ने हनुमान जी के जन्मोत्सव के मौके पर इसका टीजर रिलीज किया, जो हमें दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन श्राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघश (ै) के इतिहास में इतनी गहराई से ले जाता है जैसा पहले कभी नहीं देखा गया। हालांकि, फिल्म हर बीतते दिन के साथ और भी गंभीर होती जा रही है, और इसमें उठाए गए सवाल वाकई देश की अंतरात्मा को झकझोर देने वाले हैं। घ्श्आखिरी सवालश ने इतिहास के कुछ दबे हुए सवालों को उठाया हैरू क्या महात्मा गांधी की हत्या के पीछे ै का हाथ था? क्या ै बाबरी मस्जिद विध्वंस में शामिल था? इमरजेंसी (आपातकाल) के पीछे का सच क्या है और इसमें ै ने क्या भूमिका निभाई थी? घ्ये वाकई देश के इतिहास के वो गहरे और गंभीर सवाल हैं जिन्हें पूछने की हिम्मत बहुत कम लोगों ने दिखाई है। फिल्म की रिलीज़ के साथ 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में इन सब चीज़ों की पड़ताल की जाएगी। आखिरी सवालश का निर्देशन नेशनल अवॉर्ड विजेता फिल्म मेकर अभिजीत मोहन वारंग ने किया है। निखिल नंदा द्वारा प्रेजेंट की गई इस फिल्म को निखिल नंदा और संजय दत्त ने प्रोड्यूस किया है, जबकि पुनीत नंदा, डॉ. दीपक सिंह, गौरव दुबे और उज्ज्वल आनंद इसके को–प्रोड्यूसर हैं। फिल्म की कहानी, स्क्रीनप्ले और डायलॉग्स उत्कर्ष नैथानी ने लिखे हैं। यह फिल्म 8 मई 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज़ होने के लिए तैयार है।

रोहित शेट्टी फायरिंग केस में 15वीं गिरफ्तारी, गोलीबारी में शामिल शूटर आगरा से गिरफ्तार

बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर रोहित शेट्टी के जुहू स्थित आवास पर फरवरी में हुई फायरिंग की घटना ने इंडस्ट्री में सनसनी मचा दी थी। इस मामले में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। वहीं अब मुंबई क्राइम ब्रांच ने उत्तर प्रदेश स्पेशल टास्क फोर्स के साथ एक संयुक्त ऑपरेशन में 15वें आरोपी प्रदीप कुमार को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने प्रदीप को एक हायर शूटर बताया है, जिसे विशेष रूप से इस वारदात को अंजाम देने के लिए भर्ती किया गया था। प्रदीप कुमार की गिरफ्तारी उत्तर प्रदेश के आगरा जिले से हुई है। पुलिस के अनुसार, प्रदीप लंबे समय से अपनी

लोकेशन बदल रहा था, लेकिन तकनीकी सर्विलांस और खुफिया सूचनाओं के आधार पर उसे धर दबोचा गया। प्रदीप कुमार का संबंध शुभम लोंकर के गैंग से बताया जा रहा है। शुभम लोंकर वही नाम है जिसका संबंध लॉरेंस बिश्नोई सिंडिकेट से जोड़ा जाता रहा है। पुलिस अब प्रदीप से पूछताछ कर रही है कि उसे फायरिंग के लिए हथियार किसने मुहैया कराए और उसे भागने के लिए किन लोगों ने पनाह दी। हाल ही में गिरफ्तार किए गए आरोपी गोलू पंडित ने पूछताछ में बताया कि शूटरों को भर्ती करने और उनके रसद के इंतजाम के लिए भारी मात्रा में नकदी भेजी गई थी। यह पैसा नेपाल के रास्ते भारत में दाखिल हुआ और फिर दिल्ली व उत्तर प्रदेश होते हुए मुंबई पहुंचा। पुलिस का मानना है कि इस अंतरराष्ट्रीय रूट का इस्तेमाल इसलिए किया गया ताकि सुरक्षा एजेंसियों की नजरों से बचा जा सके। जांच में यह भी सामने आया है कि फायरिंग का मकसद केवल डराना नहीं, बल्कि फिल्म इंडस्ट्री में अपनी पैठ जमाना और जबरन वसूली के लिए जमीन तैयार करना था। शुभम लोंकर गैंग ने सोशल मीडिया के जरिए इस हमले की जिम्मेदारी लेते हुए इसे महज एक श्ट्रेलरश बताया था।

दिशा पाटनी ने ट्रैकसूट में दिखाया बोल्ड अवतार, क्रड्डूप हुडी में फ्लॉन्ट किए टोन्ड एब्स

बॉलीवुड की ग्लैमर गर्ल दिशा पाटनी अपनी हॉट एंड ग्लैमरस तस्वीरों से इंटरनेट पर तहलका मचाती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने कुछ ऐसी हॉट तस्वीरें शेयर की हैं, जिन्होंने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। इन तस्वीरों में दिशा ने न केवल अपना बोल्ड और सेक्सी अंदाज़ दिखाया है, बल्कि 2000

के दशक के लोकप्रिय यो2के फैशन को भी एक नए, फ्रेश अवतार में पेश किया है। दिशा पाटनी श्जूसी कॉट्योरश ब्रांड का एक ब्लैक वेल्लोर ट्रैकसूट पहने नज़र आ रही हैं। इस आउटफिट में उन्होंने एक क्रॉप की गई ज़िपर हुडी पहनी है, जिस पर क्रिस्टल से सजे श्र लोगो और श्रनपबल शब्द लिखे हैं। हुडी के नीचे से दिशा की टोन्ड एब्स और वेस्ट साफ़ नज़र आ रही है, जिसे उन्होंने वेली चेन्स की कई लेयर्स के साथ और भी आकर्षक बनाया है। इसके साथ दिशा ने बेल बॉटम स्टाइल का फ्लैड पैंट पहना हैं, जिन पर पीछे की तरफ क्रिस्टल से सजे श्रनपबल शब्द लिखे हुए हैं। तस्वीरों में दिशा एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। वह अपना क्लीवेज फ्लॉन्ट करती नजर आ रही हैं। दिशा ने मिनिमल मेकअप, न्यूड लिपस्टिक और खुले कर्ली बालो के साथ अपना लुक कम्प्लीट किया है। वेली चेन्स और स्टैक्ड ब्रेसलेट्स ने इस लुक में एक एक्स्ट्रा ग्लैमर जोड़ दिया है। दिशा पाटनी का यह नया लुक उनके फैंस के लिए किसी विजुअल ट्रीट से कम नहीं है। तस्वीरों पर कमेंट कर फैंस उनकी जमकर तारीफ कर रहे हैं।

कार्यालय : ग्राम पंचायत- जलकरी उर्फ खजुहा, वि.ख.- खुनियाव, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **जलकरी उर्फ खजुहा** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/SLWM/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/राज्य वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाडू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 22/04/2026 को 01 बजे तक आपूर्ति हेतू निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **जलकरी उर्फ खजुहा** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 22/04/2026 को अपराहन 02 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त** :– 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़घ्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिकार मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **जलकरी उर्फ खजुहा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **जलकरी उर्फ खजुहा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

बरसाती
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–जलकरी उर्फ खजुहा
वि.ख. - खुनियाव

मो0 तारिक खान
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–जलकरी उर्फ खजुहा
वि.ख. - खुनियाव

कार्यालय : ग्राम पंचायत- करमा, वि.ख.- खेसरहा, जनपद- सिद्धार्थनगर

निविदा/आपूर्ति सूचना

ग्राम पंचायत– **करमा** विकसित भारत गारन्टी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) VB-G RAM G/SLWM/पंचम वित्त/सष्ठम वित्त/15 वां/16 वां वित्त/राज्य वित्त/स्वच्छ भारत निशन/केन्द्रीय वित्त आयोग विधायक निधि/सांसद निधि/आगनबाड़ी/सामुदायिक शौचालय/प्राथमिक विद्यालय पर शौचालय/पंचायत भवन/अन्त्योष्टि स्थल विकास निर्माण कार्य/छठ पूजा घाट/खेल मैदान/वाटर सप्लाई एवं अन्य निधि के अनतर्गत वर्ष 2026–27 में स्वीकृत कराये जाने वाले कार्यों हेतु प्रथम श्रेणी ईट इन्टरलाकिंग, ईट, ईट टुकड़ा, महीन बालू, सिमेंट, मोरंग, बालू व वर्मी कम्पोस्ट एवं हयूम पाईप सरिया, पेन्ट, वांयरिंग, पत्थर गिटी, सोलर लाईट स्ट्रीट लाईट ठेला कुदाल झाडू ब्लीचिंग पाउडर चूना कूड़ादान फांगिग मशीन झाड़ी झंखाड़ कटाई/नाली सफाई एवं कूड़ा निस्तारण कार्य एस०एल०डब्लू०एम०/ई०बी०आर० के तहत प्लास्टिक बैग, गणक स्थायी कचरा समाग्री इण्डिया मार्का–2 हैण्ड पम्प रिबोर/मरम्मत ईट की गिट्टी इत्यादि सामाग्री से सम्बन्धित आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। इच्छुक फर्म ईट भटठा मालिक/आपूर्ति कर्ता दिनांक 23/04/2026 को 10 बजे तक आपूर्ति हेतू निविदा दर पर एवं वांछित प्रपत्र बन्द लिफाफे में ग्राम पंचायत **करमा** के निविदा बाक्स में डाल सकते है। निविदा दिनांक 23/04/2026 को अपराहन 12 बजे तक गठित कमेटी के समक्ष खोली जायेगी तथा समस्त औपचारिकताए पूर्ण की जायेगी। धरोहर की धन राशि 2000 रु० होगी। **नियम व शर्त** :– 1. जिस आपूर्तिकर्ता का दर सबसे कम होगाॉ उसे ग्राम पंचायत द्वारा कराये जाने वाले कार्य हेतु सूचित किया जायेगा। 2. आपूर्तिकर्ता का सेल्स टैक्स में रजिस्ट्रेशन अनिवार्य है तथा वह आयकर देता हो। प्रमाणित प्रति संलग्न करना अनिवार्य है तथा तीन वर्ष का आयकर क्लीयरेन्स संलग्न करना होगा। 3. ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान द्वारा नामित अधिकारी/कर्मचारी द्वारा आपूर्तिकर्ताओं की उपस्थिति में टेण्ड़र खोला जायेगा। 4. सामग्री की आपूर्ति ग्राम पंचायत के परिधि में स्वीकृत दर से निर्धारित कार्य स्थल पर करनी होगी। 5. जो दरें प्रस्तुत की जाय वह वैट तथा कार्टेज चार्ज तथा अन्य कर जोड़घ्कर प्रस्तुत की जाये। 6. सामग्री की आपूर्ति सचिव ग्राम पंचायत तथा ग्राम प्रधान के आदेशपर ही की जायेगी। 7. सामग्री की मात्रा घटाई या बढ़ाई जा सकती है,आपूर्तिकर्ता को 2.24 प्रतिशत आयकर देना होगा। 8. ग्राम पंचायत के ग्राम प्रधानॉ सचिवॉ सदस्यॉ बी.ड़ी.सी./जिला पंचायत तकनीकी सहायक आदि कर्मचारियों के सगे सम्बन्धी एवं रिश्तेदार द्वारा दरें प्रस्तुत नहीं की जायेगी। 9. प्रस्तुत दरें पी.ड़ब्लू.ड़ी. द्वारा पंजीकृत दर से अधिक मान्य नहीं होगा।,निविदा को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार ग्राम पंचायत सचिव/ग्राम प्रधान के पास होगा। 10.स्वीकृति आपूर्तिकर्ता को भुगतान तकनीकी सहायक/अवर अभियन्ता द्वारा सामग्री की गुणवत्ता प्रमाणित होने तथा मापन के उपरान्त किया जायेगा। गुणवत्ता खराब होने पर भुगतान नहीं किया जायेगा। 11. धरोहर की धनराशि नकद राष्ट्रीयकृत बैंकों के एफड़ी एवं एनएससी/ड़ाक घर बचत पत्र के रूप में ग्राम पंचायत **करमा** के नाम बन्धक हो संलग्न करना अनिवार्य है। 12. आपूर्ति दर स्वीकृत होने तथा ग्राम पंचायत द्वारा आपूर्ति आदेश देने के सात दिवस के अन्दर सामग्री आपूर्ति न करने की दशा में धरोहर धनराशि जब्त कर ली जायेगी। 13.निविदा फार्म ग्राम पंचायत **करमा** कार्यालय से प्राप्त प्रपत्र जिसका मूल्य 500/– रूपये पर ही स्वीकार किया जायेगा।

श्रीमती किरन राय
ग्राम प्रधान/अध्यक्ष
ग्राम पंचायत–करमा
वि.ख. - खेसरहा

शुभम् मणि त्रिपाठी
ग्राम विकास अधिकारी/सचिव
ग्राम पंचायत–करमा
वि.ख. - खेसरहा

क्या 24 साल की अवनीत कौर ने कराई प्लास्टिक सर्जरी? एक्ट्रेस ने तोड़ी चुप्पी

सोशल मीडिया की दुनिया में जहाँ हर दिन किसी न किसी सेलिब्रिटी के लुक्स को लेकर चर्चा होती है, वहीं पिछले कुछ दिनों से एक्ट्रेस अवनीत कौर इंटरनेट यूजर्स के निशाने पर हैं। सोशल मीडिया पर अपनी ग्लैमरस तस्वीरों से तहलका मचाने वाली 24 साल की अवनीत के लुक्स में बीते सालों में काफी बदलाव आए हैं।

हालिया लुक्स और फोटोशूट्स को देखकर फैंस के बीच यह चर्चा तेज हो गई थी कि क्या अवनीत कौर ने अपने फीचर्स को निखारने के लिए श्प्लास्टिक सर्जरीश का सहारा लिया है। अब अवनीत कौर ने खुद सामने आकर इन सभी अफवाहों पर विराम लगा दिया है।

हाल ही में पिंकविला को दिए एक इंटरव्यू में अवनीत कौर ने इन दावों को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने तर्क दिया कि लोग उन्हें एक चाइल्ड आर्टिस्ट के रूप में देखते आ रहे हैं, इसलिए उन्हें अब बदलाव महसूस हो रहा है। अवनीत ने कहा, मैं इन कमेंट्स को नहीं देखती। अपनी बचपन की फोटो देखें और फिर अपनी वर्तमान फोटो देखें, आप भी अलग दिखेंगे। हर कोई बड़ा होता है और उम्र के साथ फीचर्स में थोड़ा बदलाव आता है।

अवनीत ने कहा, मेरा चेहरा नेचुरल है, मैंने न ही कोई सर्जरी और न ही कोई बोटॉक्स करवाया है.. मैं बचपन से लेकर आज तक वेसे ही हूं। मेरे फीचर्स मेरे मम्मी के कारण हैं, मैं जैसी भी दिखती हूं, ये सब पूरी तरह नेचुरल है। इसके लिए मेरी मां का शुक्रिया।

जब अवनीत से श्फिलर्सश या श्बोटॉक्सश के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि वह किसी भी तरह के कॉस्मेटिक इंजेक्शन नहीं लेती हैं। हालांकि, वह अपनी त्वचा का खास ख्याल रखती हैं। उन्होंने स्वीकार किया कि वह नियमित रूप से फेशियल्स और स्किन टाइटनिंग ट्रीटमेंट्स लेती हैं ताकि उनकी स्किन हेल्दी और ग्लोइंग बनी रहे।

यह पहली बार नहीं है जब अवनीत ने अपने लुक्स पर बात की है। इससे पहले एक इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि जब लोगों ने उन्हें पहली बार देखा था, तब वह मात्र 7 या 8 साल की थीं। आज वह 23–24 साल की हो चुकी हैं। 15 साल का यह सफर उनके चेहरे पर दिखना लाजिमी है। उन्होंने फैंस से अपील की कि वे एक बच्चे और एक वयस्क की तुलना करना बंद करें।

अवनीत कौर का करियर ग्राफ बेहद प्रभावशाली रहा है। श्डांस इंडिया डांस लिटिल मास्टर्सश से शुरुआत करने वाली अवनीत आज एक ग्लोबल आइकन बन चुकी हैं। श्मर्दानीश से बॉलीवुड डेब्यू करने के बाद, उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के साथ फिल्म श्टीकू वेड्स शेरूश में मुख्य भूमिका निभाई। अवनीत कौर इंस्टाग्राम पर 30 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स के साथ भारत की सबसे प्रभावशाली डिजिटल हस्तियों में से एक हैं।